राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 24 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-154 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहरों में 5 डिग्री तक बढ़ा तापमान, दिल्ली में बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रमुख शहरों में रात का तापमान आसपास के ग्रामीण इलाकों से कितना अधिक रहता है, इस पर वर्ल्ड बैंक की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ जैसे घनी आबादी वाले शहरों में रात के समय तापमान काफी अधिक रहता है। इस रिपोर्ट ने न सिर्फ आने वाले समय में घनी आबादी वाले इलाकों में गर्मी के बढ़ते खतरे की ओर इशारा किया गया है, बल्कि इसकी गंभीरता और वजह पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में भारत के 24 शहरों को शामिल किया गया है। इसमें चेन्नई, इंदौर, नई दिल्ली,लखनऊ, सूरत और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के प्रमुख शहरों में रात का तापमान पूरे साल आसपास के ग्रामीण इलाकों के तापमान से 3-4 डिग्री अधिक रहता है। इसका मुख्य कारण स्ट्रक्चर, सड़कें और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर हैं। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि लखनऊ में रात के समय तापमान 5 डिग्री अधिक रहता है, जबकि चेन्नई या सूरत में तापमान का फर्क 3-4 डिग्री का है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अगले 50 साल में भारी बारिश के कारण बनने वाली बाढ़ की स्थिति (वर्षा बाढ़) का जोखिम 73 से 100 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है।

- विश्व बैंक की चौंकाने वाली रिपोर्ट, किए हैं कई बड़े खुलासे

भारत के शहरों में दिल्ली में निर्मित क्षेत्र सबसे ज्यादा वर्षा बाढ़ का प्रभाव झेलते हैं। अगर किसी तरह का सुधार नहीं किया गया, तो 2070 तक वर्षा बाढ़ से होने वाला नुकसान 30 अरब डॉलर का हो सकता है।

विमान हादसे में एयर इंडिया की अमानवीय हरकत

2 ब्रिटिश परिवार को मिले गलत शव, गुस्से में घर वाले

लंदन (एजेंसी)। गुजरात से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान के मारे गए यात्रियों की पीड़ा कम होने का नाम नहीं ले रही है। ब्रिटेन के एक परिवार ने बताया कि पीड़ितों के परिवारवालों को गलत शव भेजे जा रहे हैं। किसी का शव दूसरे परिवार को भेज दिया जा रहा है। यही नहीं यह भी पता चला है कि कुछ मृतक यात्रियों की गलत पहचान की गई और फिर उन्हें ब्रिटेन भेज दिया गया। एयर इंडिया की इस गलती से मृतकों के परिवारवालों की पीड़ा और बढ़ गई है। कई पीड़ितों के परिवारवालों ने अपने प्रियजन के अंतिम संस्कार को उस समय स्थगित कर दिया जब उन्हें यह बताया गया कि

गलत शव के साथ ताबूत को उनके पास भेज दिया गया है। ब्रिटिश अखबार मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक एक से ज्यादा लोगों के शरीर के अवशेष एक ही ताबूत में रखे गए थे जो बेहद हैरान करने वाला है। इन अवशेषों को अंतिम संस्कार से पहले अलग करने की जरूरत थी। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुए एयर इंडिया हादसे में 261 लोग मारे गए थे। यह विमान लंदन जा रहा था। इसमें ब्रिटेन के 52 नागरिक थे। बताया जा रहा है कि दो ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिसमें लाशों की अदला बदली हो गई। यही नहीं अब आशंका जताई जा रही है कि शवों की अदला बदली की कई घटनाएं हुई होंगी। वहीं मृतकों के परिवार वाले इससे सदमें हैं और अनिश्चितता में जी रहे हैं। यह पूरा मामला लंदन जांच के बाद आया है।

नकली दूतावास खोला चार फर्जी देश भी बनाए

यूपी एसटीएफ ने धर दबोचा आरोपी लंदन से है एमबीए

गाजियाबाद (एजेंसी)। यूपी के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने मंगलवार को छापा मारकर हर्षवर्धन जैन को अरेस्ट किया। उसके पास से वीआईपी नंबर वाली लग्जरी 4 गाड़ियां जब्त की गई हैं। इसके साथ ही अलग-अलग देशों और कंपनियों की 34 मोहरें भी मिली हैं। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे कूटरचित दस्तावेज और 44.70 लाख रुपए नकद भी बरामद किए गए। एसटीएफ एसपी सुशील घुले ने बताया- हर्षवर्धन केबी 35 कविनगर में किराए

का मकान लेकर अवैध रूप से 'वेस्ट आर्कटिक दूतावास' चला रहा था। वह खुद को वेस्ट आर्कटिक, सबोरगा, पुलावाविया, लोडोनिया देशों का कॉन्सुल एंबेसडर बताता है। हालांकि, इन नामों के कोई देश नहीं हैं। उन्होंने बताया- हर्षवर्धन डिप्लोमेटिक नंबर प्लेट लगी गाड़ियों से चलता था। लोगों को प्रभावित करने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य बड़े लोगों के साथ अपनी मॉर्फ की हुई फोटो का इस्तेमाल करता था। उसका मुख्य काम दलाली करना था।

आज का इतिहास पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखा गया

- भागवत बोले-उनकी किताबों में चीन-जापान मिलेंगे, भारत नहीं

संघ प्रमुख ने पाठ्यक्रमों में बदलाव की बात का किया समर्थन

- भागवत ने कहा- दुनिया को नई दिशा भारतीयता से ही मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाठ्यक्रमों में बदलाव की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत को सही रूप में समझने और प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। भागवत ने कहा- आज जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखा गया है। उनके विचारों में भारत का कोई अस्तित्व नहीं है। विश्व मानचित्र पर भारत दिखता है, लेकिन उनकी सोच में नहीं। उनकी किताबों में चीन और जापान मिलेंगे, भारत नहीं। ऋस्र चीफ ने कहा, पहले विश्व युद्ध के बाद शांति की बातें की गई, किताबें लिखी गई और राष्ट्र संघ बना, लेकिन दूसरा विश्व युद्ध हुआ। फिर संयुक्त राष्ट्र बना, लेकिन आज भी लोग चिंतित हैं कि कहीं तीसरा विश्व युद्ध न हो जाए। संघ प्रमुख मंगलवार को दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास के कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा- दुनिया को अब एक नई दिशा की जरूरत है और यह दिशा भारतीयता से ही मिलेगी। भागवत ने कहा- भौतिकवाद के कारण पूरी दुनिया में अशांति, असंतोष और संघर्ष बढ़ा है। पिछले 2 हजार सालों में पश्चिमी विचारों के आधार पर इंसान को सुखी और संतुष्ट बनाने की कोशिशें नाकाम रहीं। अब दुनिया भारत की ओर उम्मीद से देख रही है।

भारतीयता सिर्फ नागरिकता नहीं, यह एक दृष्टिकोण

संघ प्रमुख ने कहा कि भारत का मतलब केवल किसी भौगोलिक सीमा में रहना या नागरिकता पाना नहीं है। भारतीयता एक दृष्टिकोण है, जो पूरे जीवन के कल्याण की सोच रखता है। धर्म पर आधारित यह दृष्टिकोण चार पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन का हिस्सा मानता है। इनमें मोक्ष अंतिम लक्ष्य है। भागवत ने कहा कि धर्म की इसी जीवनदृष्टि के चलते भारत कभी दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र था। आज भी पूरी दुनिया उम्मीद करती है कि भारत उसे रास्ता दिखाएगा। इसलिए हमें खुद को और अपने राष्ट्र को तैयार करना होगा। शुरुआत खुद से और अपने परिवार से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वे अपने दैनिक जीवन में भारतीय दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने सुधार और बदलाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। भागवत ने कहा भारत के बिना कुछ नहीं।

चीनी नागरिकों को 5 साल बाद फिर वीजा देगा भारत

- आज से आवेदन शुरू, गलवान संघर्ष के बाद से बंद थी सर्विस

नई दिल्ली/बीजिंग (एजेंसी)। भारत सरकार अब चीनी नागरिकों को फिर से वीजा देने जा रही है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पांच साल बाद पहली बार चीनी नागरिकों को पर्यटन के लिए वीजा देना शुरू करेगा। कोरोना काल के बाद यह सर्विस बंद हो गई थी। इसके बाद जून 2020 में हुए

गलवान संघर्ष ने दोनों देशों के रिश्तों को और खराब कर दिया था। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि की है। दूतावास ने बताया कि यह प्रक्रिया 24 जुलाई 2025 से शुरू होगी। इस जानकारी को चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने भी प्रकाशित किया है, जिसमें कहा गया है कि भारतीय दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर इस संबंध में जानकारी दी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव अगस्त माह के आखिर में संभव

चुनाव आयोग बोला-हमारी तरफ से तैयारियां शुरू

- एक दिन पहले धनखड़ का इस्तीफा मंजूर हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को नया उपराष्ट्रपति अगस्त महीने के आखिर तक मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुनाव का शेड्यूल अगले 72 घंटे में जारी हो सकता है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जब सारी तैयारियां पूरी हो जाएंगी, फिर चुनाव की आधिकारिक घोषणा करेंगे।

ईसीआई को संविधान के आर्टिकल 324 के तहत उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराने का अधिकार है। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। अगले ही दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। चुनाव आयोग ने लिखा, आर्टिकल 324 के तहत उपराष्ट्रपति के निर्वाचन का कार्य चुनाव आयोग करता है। इसका निर्देशन राष्ट्रपति की ओर से किया जाता है। चुनाव आयोग ने अब उपराष्ट्रपति के इलेक्शन की तैयारी शुरू कर दी है। अभी इसकी तैयारी चल रही है और उसे पूरा करने के बाद जल्दी ही इलेक्शन की डेट का ऐलान किया जाएगा। आयोग ने कहा कि इलेक्शन की तारीख का ऐलान करने से पहले हम कुछ चीजों पर काम कर रहे हैं। इनमें से एक है- इलेक्टोरल कॉलेज तैयार करना। इसके तहत लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को मिलाकर एक वोटर लिस्ट तैयार की जाएगी।

एसआईआर को लेकर तेजस्वी पर भड़के सीएम नीतिश कुमार

बोले-तुम बच्चे हो अभी कुछ नहीं जानते

पटना (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के आक्रामक तेवर कम होते नहीं दिख रहे। बिहार विधानसभा में तीसरे दिन भी इस मसले पर विपक्ष का जोरदार हंगामा हुआ। बिहार में वोटर लिस्ट के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान चल रहा है। इसे लेकर बुधवार को बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। कार्यवाही खत्म होने के साथ तेजप्रताप और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की तस्वीर सुर्खियों में आ गई। तेजप्रताप ने विजय सिन्हा के साथ विधानसभा के गेट पर फोटो खींचवाई। हाथ जोड़कर प्रणाम किया। विजय सिन्हा ने भी उनकी पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया। तेजस्वी बोल ही रहे थे कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार उठे और कहने लगे, पहले क्या था। तुम्हारे माता-पिता मुख्यमंत्री थे क्या किया। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव को बच्चा कह दिया।

ऑपरेशन सिंदूर

खत्म होगी तकरार, चर्चा को मान गई सरकार

- लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा
- दोनों सदनों में 16-16 घंटे बहस, विपक्ष हुआ ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि सरकार कहती है ऑपरेशन सिंदूर चालू है, जबकि

डोनाल्ड ट्रम्प बंद कराने का दावा कर चुके हैं। ट्रम्प ने 25 बार बोला कि उन्होंने सीजफायर कराया। वो कौन होते हैं बोलने वाले, ये उनका काम नहीं है। लेकिन पीएम मोदी ने इस पर एक जवाब नहीं दिया। ऐसा लगता है दाल में कुछ काला है। इससे पहले लोकसभा में बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। उन्होंने काले कपड़े लहराए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- आप सड़क का व्यवहार संसद में न करें। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में चर्चा के 16 घंटे तय किए गए हैं। अलग-अलग पार्टी के प्रतिनिधित्व के हिसाब से उन्हें वक्त दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा है कि इस चर्चा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी हिस्सा ले सकते हैं। बीजेपी के एक सीनियर नेता ने कहा कि पीएम ने कहा है कि यह सत्र विजयोत्सव होगा और पीएम खुद हमारी सेना की हौंसला अफजाई में कोई कमी नहीं रखेंगे। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे शुरू हुई।

पाकिस्तान के टेरर नेटवर्क की गर्दन मरोड़ने की तैयारी

भारत के साथ मिलकर मालदीव कसेगा दुश्मन पर शिकंजा

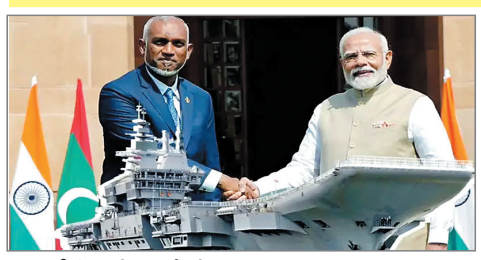

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से पड़ोसी मुल्क मालदीव की दो दिन की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। भारत और मालदीव के इस पहल से हिंद महासागर क्षेत्र में ड्रग्स के अवैध कारोबार पर लगाम कसने में मदद मिलेगी। ड्रग्स का यह गैर-कानूनी व्यापार पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है और यह भारत और मालदीव के लिए भी बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने ड्रग्स कारोबार के खिलाफ लड़ाई को अपने देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता करार दिया है। वे पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान उनसे इस खतरे से निपटने के लिए मदद मांग सकते हैं। अरब सागर में ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।

अखिलेश ने मस्जिद में सपा सांसदों के साथ की मीटिंग

- डिप्टी सीएम बोले-वो नमाजवादी, अखिलेश बोले-हम जोड़ने वाली आस्था के साथ

लखनऊ (एजेंसी)। संसद के बगल की मस्जिद में अखिलेश यादव और उनके सांसदों की कथित मीटिंग पर विवाद बढ़ता जा रहा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश को नमाजवादी बताया। कहा- संविधान में साफ लिखा है कि हम धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं करेंगे। लेकिन सपा मुखिया हमेशा संविधान का उल्लंघन करते रहे। उन्हें संविधान पर कोई भरोसा नहीं है। अखिलेश ने डिप्टी सीएम के बयान पर पलटवार किया। कहा- आस्था जोड़ती है। जो आस्था जोड़ने का काम करती है, हम उसके साथ हैं, लेकिन भाजपा चाहती है कि कोई न जुड़े, दूरियां बनी रहें। हम सभी धर्मों में आस्था रखते हैं।

पहले भी इसका हिस्सा रहा मैं नहीं कर सकता सुनवाई

- जस्टिस वर्मा केस से सीजेआई गवई ने कर लिया किनारा

अब नई बेंच करेगी इसकी सुनवाई, बहुत जल्द होगा गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं। दरअसल, 19 जुलाई जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी।

रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस वर्मा की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 卐पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है।

(लेखक - डॉ. आशीष वशिष्ठ)

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है।

गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है।

ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है।

ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 卐पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पश्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है।

बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गर्माया हुआ है। ममता बनर्जी ने 'फेक वोटर' की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है।

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नज़र 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप

रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं।

एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है।

संविधान के अनुरूप नहीं है मतदाता सूची का 'विशेष गहन पुनरीक्षण '

(लेखक-कुमार कृष्णन)

बिहार में हो रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की पोल खुल चुकी है। इसके नाम पर लोग बेदखल किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के सुझाव के बावजूद चुनाव आयोग के कान पर जू तक नहीं रेंग रही है। संभवतः कान, आंख, नाक किसी सत्ता प्रतिष्ठान के पास गिरवी है। आज हमने इस संदर्भ में अपनी बात रखने की कोशिश की। लोकतंत्र में मतदाता अगर बेदखल होता है तो इसका कोई मतलब नहीं है।

अब यह मांग उठ रही है कि मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण ' को संशोधित नहीं, रद्द किया जाए। मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण ' के सवाल पर आयोजित जन सुनवाई में यह मांग रखी गयी।

जन सुनवाई का आयोजन भारत जोड़ो अभियान, जन जागरण शक्ति संगठन, जन आंदोलनों का राष्ट्रीय गठजोड़ , समर चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वराज अभियान और कोसी नवनिर्माण मंच ने किया था।

इसमें यह बात कही गयी कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज़ ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना में दिए गए राजनीतिक न्याय और समानता के वादे के खिलाफहै।अनुचित दबाव में सिर्फ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग की अपनी ही प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता अधिक बिगड़ेगी और चुनाव आयोग के उद्देश्य को नुकसान पहुँचेगा। पटना के बीआईए हॉल में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' पर आयोजित जन सुनवाई में बिहार के 14 ज़िलों से लोगों आए हुए थे।

कटिहार से आईं फूल कुमारी देवी ने बताया, 'मैं मज़दूर हूं। बीएलओ ने मुझसे आधार और वोटर कार्ड की फ़ोटोकॉपी मांगी। मैंने 4 किलोमीटर चलकर पासपोर्ट फ़ोटो खिंचवाई। मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मैंने अपने राशन का चावल बेच दिया। दस्तावेज़ जुटाने में मेरे दो दिन की मज़दूरी चली गई। मेरे पास चावल नहीं था, दो दिन भूखी रही।'

राज्य भर से आए प्रतिभागियों ने बताया कि गणना फ़ॉर्म बीएलओ के बजाय कई बार वार्ड पार्षद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या सफ़ाईकर्मी द्वारा बांटे गए। कई मतदाताओं को फ़ॉर्म भरने का तरीका ही नहीं बताया गया। कई परिवारों में कुछ लोगों को फ़ॉर्म मिला, कुछ को नहीं। पटना शहर में बिना फ़ोटो वाला अनधिकृत फ़ॉर्म बांटा गया। कई विवाहित महिलाओं को अपने मायके से दस्तावेज़ लाने में कठिनाई हुई। बीएलओ ने जिन दस्तावेजों को लिया (जैसे आधार और वोटर कार्ड), वे चुनाव आयोग की अधिकृत सूची में नहीं हैं। जन सुनवाई में आये सिर्फ 5 से कम लोगों को अपने फ़ॉर्म पर रिसीविंग मिली। वे सभी जागरूक थे और दबाव डालने के बाद ही रिसीविंग मिली। कई मामलों में लोगों को पता ही नहीं था कि उनका फ़ॉर्म बीएलओ ने पहले ही जमा कर दिया, बिना उनके हस्ताक्षर लिए। एक मामले में, जिसने इस पर सोशल मीडिया पर बात की, उसके करीबी लोगों को धमकियाँ मिलीं। ग़ैर-पढ़े-लिखे मतदाताओं को फ़ॉर्म भरवाने के लिए लगभग ₹100 देने पड़े। कई बीएलओ बैंक पासबुक की कॉपी भी ली, जबकि मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' में इसकी ज़रूरत नहीं बताई गई थी। कोई मानक प्रक्रिया नहीं थी: एक ही परिवार में पति की फ़ोटो ली गई, पत्नी की नहीं। यह खेती का समय है। बिहार के सबसे ग़रीब लोग इस समय पंजाब में खेतों में काम कर रहे हैं। वे अधिकतर अनपढ़ हैं और उनके पास फ़ॉर्म ऑनलाइन भरने की सुविधा नहीं है। कोसी नदी के बाढ़ प्रभावित गांवों में दस्तावेज़ बार-बार बाढ़ में बह जाते हैं, खासकर ग़रीब और दलित वर्ग के लोग इसका शिकार हैं। बीएलओ पर भारी दबाव है—जो नियमों का पालन कर रहे हैं उन्हें धीमा कहकर डांटा जा रहा है और वेतन रोकने की धमकी दी जा रही है। बीएलओ और आंगनवाड़ी सेविकाओं की इस प्रक्रिया में अत्यधिक व्यस्तता से शिक्षा और पोषण की जनकल्याणकारी योजनाओं को नुकसान हो रहा है। जन सुनवाई की पैनल में वजाहत हबीबुल्ला (पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त), न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय), प्रोफ़ेसर दिवाकर (पूर्व निदेशक, ए. एन. सिन्हा संस्थान), जाँ द्रेज (अर्थशास्त्री), श्री भंवर मेघवंशी (सामाजिक कार्यकर्ता) और प्रोफ़ेसर नंदिनी सुंदर (समाजशास्त्री) शामिल थे।

न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज़ ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने बताया, 卐प्रशासन का दुरुपयोग हो रहा है, यह लोगों की मदद नहीं बल्कि उन्हें परेशान कर रहा है। मतदाता सूची के 卐विशेष गहन पुनरीक्षण卐 की प्रक्रिया न संविधान के अनुसार है, न आरटीआई कानून के अनुरूप है।卐 सामाजिक कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी ने कहा कि मतदाता सूची के 卐विशेष गहन पुनरीक्षण卐 की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना, जिसमें राजनीतिक न्याय और समानता का वादा है, के खिलाफहै।

अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज़ ने कहा, 'मतदाता सूची के ' विशेष गहन पुनरीक्षण' को संशोधित नहीं बल्कि रद्द किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की अपनी प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता गिरेगी और उद्देश्य विफल होगा।' समाजशास्त्री प्रो. नंदिनी सुंदर ने बताया, 'मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होने उम्मीद जतायी कि हमारी आवाज़ सुनी जाएगी और हम आगे लड़ाई जारी रखेंगे।' एएन सिन्हा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिवाकर ने बताया कि आज हमारा लोकतंत्र न जनता का है, न जनता के लिए है, न जनता द्वारा है। हमें इसे वापस लाने के लिए संघर्ष करना होगा।

जन सुनवाई में शाहिद कमाल , ऋषि आनंद , कामायनी स्वामी , महेंद्र यादव, ज़हीब , उमेश शर्मा आशीष रंजन , तन्मय ने भी हिस्सा लिया।

गया के परमेश्वर यादव, सहरसा के गोविंद पासवान, सहरसा की सुमित्रा देवी, पटना की राखी देवी, कहिटार के इशाक, अररिया की मुन्नी देवी समेत 25 लोगों ने अपनी बातें रखीं। मौके पर भारत जोड़ो अभियान के संयोजक योगेंद्र यादव, महासचिव अजीत झा ने भी अपनी बातें रखीं। जनसुनवाई में आयीं प्रमुख समस्याएं -जिन 11 दस्तावेजों को आयोग ने देने को कहा है, वह अधिकतर लोगों के पास है ही नहीं -आधार कार्ड लेकर फॉर्म जमा कराया जा रहा है, जबकि आयोग ने इसे मान्य नहीं बताया है -लोग वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर रहे हैं तो बताया जा रहा है कि फॉर्म पहले से जमा है -खेती के समय श्रमिक मजदूरी को छोड़ कागज बनाने में लगे हुए हैं, घूस भी देनी पड़ रही है -नेपाली की लड़की बिहार में ब्याही गयी, 20 वर्षों से वोटर हैं, अब माता-पिता की मतदाता सूची मांगी जा रही -किसी भी आवेदक को पावति नहीं दी जा रही है, बाद में आवेदन का सबूत मांगेगा को लोगों के पास नहीं होगा।

उपाय भी ठीक से हो

चिंतन मनन

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

विचार मंथन

मस्जिद पर सपा सांसदों का जाना आस्था बनाम राजनीतिक टकराव

(लेखक - सनत जैन)

भारत जैसे बहुधार्मिक और संवेदनशील लोकतंत्र में धर्म और राजनीति का टकराव कोई नया विषय नहीं है, जब यह टकराव इबादतगाहों को लेकर होने लगे, तो सवाल गंभीर हो जाते हैं। विगत दिवस संसद भवन के पास स्थित एक मस्जिद में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और उनके सांसद मस्जिद में बैठकर आपस में कुछ चर्चा कर रहे थे। सपा के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी इस मस्जिद के इमाम भी हैं। लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। इमाम साहब सपा के सांसदों के साथ मस्जिद पहुंचकर मस्जिद के बैठक कक्ष में आपस में चर्चा कर रहे थे। इसका एक फोटो वायरल हुआ उसके बाद हंगामा मच गया। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रदर्शन करने की बात कही है। मंदिर-मस्जिद के बीच टकराव की यह ताज़ा मिसाल है। बीजेपी ने इस बैठक को धार्मिक स्थल के राजनीतिक उपयोग का मामला बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा ने दावा किया है, मस्जिद को सपा का पार्टी दफ्तर बना दिया गया है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने यह कहकर पलटवार किया, बीजेपी लोगों को धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा, धार्मिक स्थल जोड़ने का होता है। यह विवाद केवल एक फोटो के आधार पर शुरू हो गया है। भारत में इस बात का संकेत है। जहां राजनीति, धर्म और सामाजिक संवेदनाएं टकरा रही हैं। यह सत्य है, किसी भी धार्मिक स्थल का उपयोग राजनीतिक मंच के रूप में होना ना तो उचित है, ना ही संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप है। धार्मिक स्थलों पर सभी नागरिकों की श्रद्धा होती है। धार्मिक स्थलों को कभी भी किसी दल विशेष की बैठकों या रणनीति का अड्डा नहीं बनाया जा सकता है। विचारणीय प्रश्न है, क्या वाकई सपा के सांसद बैठक के लिए एकत्रित हुए थे, क्या यह राजनीतिक बैठक थी। या महज एक संयोग था। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी इसी मस्जिद के इमाम हैं। सपा के सभी सांसद सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए संसद पहुंचे थे। दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। ऐसे में सपा के सांसदों का अपने ही एक सांसद के धार्मिक स्थल के कार्यालय में जाकर बैठना क्या कोई राजनीतिक गतिविधि थी। मामला तब जटिल हो गया, जब सपा के शीर्ष नेता के साथ एक धार्मिक स्थल पर सपा के कई सांसद एक साथ नजर आये। ऐसी स्थिति में विपक्ष के राजनीतिक दल की शंका स्वाभाविक है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड की आपत्ति और मुस्लिम समाज के भीतर से उठती नाराजगी इसी बात का प्रमाण है। धार्मिक भावनाओं को लेकर लोग संवेदनशील होते हैं। भाजपा की आपत्ति पर सपा का यह कहना कि क्या अब मस्जिद या मंदिर जाने के लिए बीजेपी से अनुमति लेनी होगी? राजनीति में यह शैली बड़ी आम हो गई है। इस पूरे विवाद से एक बात स्पष्ट है, धर्म और राजनीति के बीच सभी राजनीतिक दलों को एक मर्यादा रखनी होगी। जब नेता धार्मिक स्थलों पर जाएं, तो वह श्रद्धा के भाव से हों, ना कि सियासी रणनीति के तहत। भारत में चुनाव के समय सभी राजनीतिक दलों के नेता धार्मिक स्थलों पर जाकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। जिसके कारण धार्मिक आस्था भी विवाद का विषय बन जाती है। एक फोटो को किस तरह से विवाद का विषय बनाया जा सकता है। इसका यह एक उदाहरण है। सपा नेता और उनके सांसदों का कहना है उनके एक सांसद जो इस मस्जिद के इमाम हैं उनके अनुरोध पर लोग कुछ देर के लिए वहां पर चले गए थे क्योंकि दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई थी।

नदवी के अनुरोध पर सभी लोग वहां पर अनौपचारिक रूप से बैठे हुए थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी वहां पर उपस्थित थे, जिसको राजनीतिक बैठक का रंग दे दिया गया। जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों से हिंदू और मुसलमानों के बीच धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति शुरू हुई है, उसको देखते हुए लगातार ऐसे मौकों की तलाश होती है। जैसे ही कोई मौका मिलता है बिना जाने और बिना सोचे-समझे इस तरह के विवाद खड़े कर दिए जाते हैं जो धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ाने का काम करते हैं। संसद परिसर के बाहर बनी यह मस्जिद, वक्फ बोर्ड को लेकर भाजपा के निशाने में रही है। इस एक फोटो ने नए विवाद को जन्म दे दिया है। इस मस्जिद में सपा की बैठक को लेकर भाजपा ने निशाना साधा है। यह एक संयोग है, या राजनीति करने का नया प्रयोग है। इसे आसानी से समझा जा सकता है।

संसद सत्र चलेगा या नहीं इसको लेकर सांसदों को भी पता नहीं था। कहा जाता है कि सपा के एक सांसद जो इस मस्जिद के इमाम हैं, उन्हें इस मौके पर लगा कि इसी बहाने सबको वहां ले जाकर चाय-नाश्ता कर सकते हैं। उनके अनुरोध पर सपा के सांसद उनके साथ चले गए। एक फोटो के कारण यह एक धार्मिक विवाद का विषय बन गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

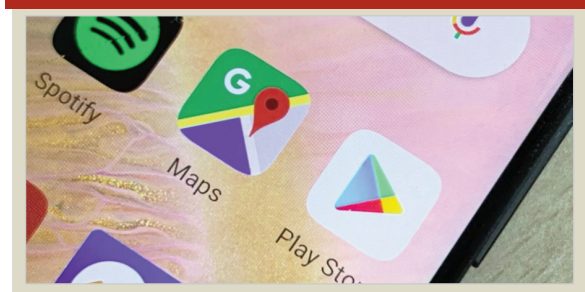

भारत में गूगल प्ले, एंड्रॉयड ने 2024 में 4 लाख करोड़ का राजस्व कमाया

नई दिल्ली। भारत में गूगल प्ले और एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म ने 2024 में ऐप पब्लिशर और देश की व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जो स्मार्टफोन की बढ़ती संख्या, किफायती डेटा और सक्रिय डेवलपर्स एवं उद्यमियों की वजह से संभव हो पाया है। यह ऐप इकोसिस्टम न केवल राजस्व बढ़ा रहा है, बल्कि इसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 35 लाख से अधिक नौकरियां भी पैदा की हैं। ऐप पब्लिशर से तात्पर्य उन कंपनियों और व्यक्तियों से है जो ऐप बनाकर उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाते हैं। डिजिटल टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी है, जिससे देश में रोजगार के अवसर और आर्थिक विकास में वृद्धि हो रही है।

12 फीसदी जीएसटी स्लैब पर फिलहाल कोई बदलाव नहीं

मुंबई । केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि दूध, दही, पनीर जैसे रोजमर्रा के आवश्यक उत्पादों पर लागू 12 फीसदपी जीएसटी दर में अभी कोई बदलाव नहीं होगा। हाल ही में संसद में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि 12 फीसदी जीएसटी स्लैब को समाप्त करने या कम करने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है। कुछ दिन पहले यह खबरें आई थीं कि जीएसटी काउंसिल द्वारा गठित मंत्री समूह 12 फीसदी स्लैब खत्म करने की सिफारिश कर सकता है। लेकिन चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि जीओएम ने अभी तक अपनी रिपोर्ट वित्त मंत्रालय को नहीं सौंपा है और कोई सिफारिश प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जीएसटी दरों में बदलाव केवल जीएसटी काउंसिल की सिफारिश के बाद ही किया जाएगा।

देश के 1000 आईटीआई होंगे अपग्रेड

- युवाओं को मिलेगा हाईटेक स्किल ट्रेनिंग का मौका

नई दिल्ली । देशभर के युवाओं को रोजगार योग्य बनाने और औद्योगिक क्षेत्रों में कुशलता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ी योजना शुरू की है। इसके तहत देश के 1,000 इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स (आईटीआई) को अपग्रेड किया जाएगा। इस योजना के लिए सरकार लगभग 60,000 करोड़ का निवेश करेगी। इसका उद्देश्य अगले 5 वर्षों में 2 करोड़ युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देना है। यह योजना हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित होगी। इसमें कुछ बड़े आईटीआई को हब बनाया जाएगा, जहां आधुनिक तकनीकों से लैस ट्रेनिंग दी जाएगी। इनसे जुड़े छोटे आईटीआई स्पोक होंगे, जो इन हब से संसाधन और मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। इससे पूरे देश में एक समान और गुणवत्तापूर्ण ट्रेनिंग सुनिश्चित हो सकेगी। सरकार इस योजना को स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप मंत्रालय के माध्यम से लागू कर रही है। कई बड़ी भारतीय और विदेशी कंपनियां इस योजना में भाग लेने के लिए आगे आई हैं। अब तक 12 से अधिक कंपनियां रुचि दिखा चुकी हैं। इनमें से रिलायंस ग्रुप, अदाणी ग्रुप, महिंद्रा ग्रुप, जेके सीमेंट, जिंदल ग्रुप, टोयोटा इंडिया, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील जैसी प्रमुख कंपनियों ने राज्यों और क्षेत्रों की जानकारी दी है जहां वे ट्रेनिंग देना चाहती हैं। उदाहरण के लिए, जेके सीमेंट राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी और हॉस्पिटैलिटी में ट्रेनिंग देगा, जबकि रिलायंस महाराष्ट्र, गुजरात और आंध्र प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर में युवाओं को प्रशिक्षित करेगा। इस पहल से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि देश के औद्योगिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

16वें वित्त आयोग को स्थानीय निकायों को अधिक धन आवंटित करने पर ध्यान देना चाहिएः राजन

- स्थानीय स्तर पर लोगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सुलझाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि 16वें वित्त आयोग को स्थानीय निकायों, जैसे नगर पालिकाओं और पंचायतों को अधिक धनराशि आवंटित करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनका मानना है कि इससे स्थानीय स्तर पर लोगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सुलझाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि पहले के वित्त आयोगों ने मुख्य रूप से राज्यों को धनराशि दी है, लेकिन अब राज्यों से स्थानीय निकायों को धन हस्तांतरण की आवश्यकता है। राजन ने चीन और अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि उन देशों में स्थानीय सरकारी कर्मचारियों की संख्या भारत की तुलना में कहीं अधिक है, जिससे वहां के स्थानीय प्रशासन मजबूत होते हैं। उन्होंने भारत जैसे विशाल देश में विकेंद्रीकरण की जरूरत पर जोर दिया, ताकि प्रशासनिक और निर्णय लेने की जिम्मेदारियां केंद्र से लेकर राज्यों और स्थानीय निकायों तक पहुंचें।

राजन ने सुझाव दिया कि वित्त आयोग को स्थानीय निकायों को धन आवंटित करने के लिए प्रलोभन और दंड का भी उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने बताया कि अधिकांश राज्यों ने केंद्र से कर राजस्व में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की है, जबकि वर्तमान में यह 41 प्रतिशत है। राजन ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) पर कहा कि इस योजना के प्रभाव को मापने के लिए सार्वजनिक आंकड़े अभी सीमित हैं। हालांकि मोबाइल फोन के निर्यात में वृद्धि हुई है, लेकिन रोजगार सृजन में बड़े बदलाव नहीं दिखे हैं।

एआई में भारी निवेश के बावजूद भारत की आईटी कंपनियों को अपेक्षित लाभ नहीं

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख आईटी कंपनियां टीसीएस, इंफो सिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजी और टेक म हिंद्रा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जनरेटिव एआई में भारी निवेश करते हुए अब तक 2.5 लाख से अधिक कर्मचारियों को एआई स्किल्स की ट्रेनिंग दी है। शुरुआती दौर में बेसिक प्रशिक्षण दिया गया, लेकिन अब कंपनियां इंडस्ट्री-स्पेसिफिक और एडवांस स्किल्स पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। टीसीएस ने 1.14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर एआई स्किल पिरामिड मॉडल अपनाया है। विप्रो ने 87,000 से अधिक लोगों को ट्रेनिंग दी है और एआई लैब्स की स्थापना की है। इंफोसिस ने अपने कर्मचारियों को एआई-अवेयर और एआई-मास्टर्स की श्रेणियों में बांटा है। एचसीएल टेक ने 42,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें 12,000 सक्रिय रूप से एआई प्रोजेक्ट्स पर कार्यरत हैं। टेक महिंद्रा ने 77,000 लोगों को बेसिक एआई स्किल्स सिखाई हैं। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के बावजूद इन कंपनियों की रेवेन्यू ग्रोथ और प्रोडक्टिविटी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल तकनीकी ट्रेनिंग से परिणाम नहीं मिलेंगे; कंपनियों को एआई को व्यावसायिक समस्याओं के समाधान के रूप में उपयोग करना होगा। इसके अलावा एआई के चलते लागत घटने की बजाय बढ़ रही है। उदाहरण के लिए टीसीएस की कर्मचारी लागत जून 2025 की तिमाही में बढ़कर 47.6 फीसदी हो गई है। कुल मिलाकर एआई -पर भारी निवेश के बावजूद इसका असर अभी तक सीमित रहा है, और कंपनियां अब भी ट्रायल और इम्प्लीमेंटेशन के चरण में हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

- सेंसेक्स 539 , निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.83 अंक बढ़कर 82,726.64 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.00 अंक उछलकर 25,219.90 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस तेजी का कारण कारण बैंकिंग और आईटी कंपनियों के अच्छे तिमाही परिणाम भी रहे जिससे बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी इंडिया, श्रीराम फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 2 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी।

बाजार में आये उछाल का एक कारण अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील की घोषणा को भी माना जा रहा है। इस डील के तहत जापान के सामानों पर अमेरिका में 15 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ लगेगा, जो पहले के घोषित 24 फीसदी टैरिफ दर से कम है। इस डील के बाद दुनिया भर के बाजारों को राहत मिली है। अब निवेशकों की नजरें इस पर टिकी हैं कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर लगी हैं। दुनिया भर के बाजारों की बात करतें तो आज दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांग कांग का हेंग सेंग इंडेक्स सभी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार भी गत दिवस लाभ के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 198 अंकों की बढ़त के साथ 82,384 के स्तर पर दिखा, जबकि निफ्टी 74 अंक चढ़कर 25,135 के स्तर पर पहुंच गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हलचल सीमित रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.06 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज हुई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.02 फीसदी फिसल गया।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्यु निकेशन को 122.5 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली । पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन ने मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद अपनी पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। यह तिमाही कंपनी के लिए एक टर्नअराउंड मोमेंट लेकर आई, क्योंकि पहली बार कंपनी ने अपने मुख्य बिजनेस से 122.5 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल इसी तिमाही में पेटीएम को 838.9 करोड़ का भारी नुकसान हुआ था, जबकि पिछली तिमाही में भी कंपनी को 539.8 करोड़ का घाटा हुआ था। हालांकि दूसरी तिमाही 25 में भी कंपनी मुनाफे में थी, लेकिन वो मुनाफा टिकटिंग बिजनेस को जोमेटो को बेचने के चलते हुआ था। इस बार पहली तिमाही 26 में पेटीएम का मुनाफा पूरी तरह नॉर्मल बिजनेस ऑपरेशन्स के जरिए आया है, जो निवेशकों के लिए एक पॉजिटिव संकेत है।

एडीबी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान घटाकर 6.5 फीसदी किया

- भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है, जो अप्रैल में जारी अनुमान 6.7 प्रतिशत से कम है।

यह संशोधन मुख्य रूप से अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क और उससे जुड़ी नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण किया गया है। इन शुल्कों और वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव से भारतीय निर्यात पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने के साथ ही निवेश प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। जुलाई के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में कहा गया है कि हालांकि वैश्विक आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं, भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।

घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की मांग में सुधार के कारण घरेलू खपत में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। सेवा और कृषि क्षेत्र को वृद्धि के मुख्य स्तंभ माना गया है।

विशेष रूप से, सामान्य से अधिक मानसूनी वर्षा होने की संभावना कृषि क्षेत्र को सहारा देगी और उसकी वृद्धि को बढ़ावा देगी। एडीबी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत रखा है। साथ ही, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के शुरुआती संकेत भी आर्थिक गतिविधियों के लिए सहायक हो सकते हैं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए अपनी वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है, जो एडीबी के संशोधित आंकड़े के समान है।

इस तरह, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है, लेकिन अमेरिका के शुल्क और नीतिगत बदलावों से सतर्क रहने की जरूरत बनी हुई है।

गढ़चिरौली में लॉयड्स मेटल्स एंड स्टील 40,000 करोड़ का निवेश करेगी

मुंबई ।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में लॉयड्स मेटल्स एंड स्टील ने अगले पांच वर्षों में लगभग 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का बड़ा लक्ष्य रखा है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने अब तक 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है और आगामी योजनाओं के तहत 15,000 करोड़ रुपये के अयस्क संवर्धन संयंत्र और 22,000 करोड़ रुपये के इस्पात संयंत्र का निर्माण किया जाएगा। गढ़चिरौली जो पूर्वी महाराष्ट्र का नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है, वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है, जिससे निवेश के लिए बेहतर माहौल बन रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिले में लॉयड्स मेटल्स द्वारा निर्मित 90 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन और एक पेलेट संयंत्र का उद्घाटन किया। अे धिकारी ने बताया कि कंपनी का पूंजीगत व्यय मुख्यतः आंतरिक स्रोतों से पूरा होगा, लेकिन जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोष जुटाने की भी योजना है। पिछले वर्ष कंपनी ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिए 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी जुटाई थी।

अमेरिका-जापान के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता

- टैक्स दर 15 फीसदी तय, 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा जापान

वाशिंगटन।

अमेरिका और जापान के बीच एक बड़ा व्यापार समझौता हुआ है, जिसकी घोषणा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को की। इस समझौते के तहत जापान से अमेरिका में आने वाले सामानों पर अब 15 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। इससे पहले ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर 1 अगस्त तक समझौता नहीं हुआ, तो यह टैक्स 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाएगा। समझौते के अनुसार, जापान अमेरिका में 550 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **Truth Social** पर इस समझौते को इतिहास का सबसे बड़ा करार दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस निवेश से होने वाले 90 प्रतिशत मुनाफे पर अमेरिका का अधिकार होगा और इससे लाखों नई नौकरियाँ उत्पन्न होंगी। इसके साथ ही जापान अब अमेरिकी कारों, ट्रकों, चावल और अन्य कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार के द्वार खोलेगा। ट्रंप ने बताया कि यह समझौता अमेरिका के वैश्विक व्यापारिक हितों को मजबूत करेगा और घरेलू उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाएगा। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा करनी होगी। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब जापान की सत्ताधारी पार्टी ने हालिया चुनावों में ऊपरी सदन में बहुमत खो दिया है। इससे पहले ट्रंप ने फिलीपींस और इंडोनेशिया के साथ भी व्यापारिक समझौते किए, जहां फिलीपींस पर 19 फीसदी टैक्स तय किया गया, जबकि अमेरिकी सामानों पर कोई टैक्स नहीं लगाया गया।

यह समझौता अमेरिका की आक्रामक व्यापार नीति का हिस्सा माना जा रहा है।

8वें वेतन आयोग पर कर्मचारी प्रतिनिधियों ने सरकार को सौंपी सिफारिशें

- पुरानी पेंशन योजना बहाली से लेकर वेतन बढ़ोतरी की मांग

नई दिल्ली।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन की समीक्षा के लिए गठित 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की घोषणा के छह महीने बाद कर्मचारी प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण सिफारिशें सरकार को सौंपी हैं। इन सिफारिशों का असर करीब 45 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों पर पड़ेगा, जिनमें रक्षा सेवाओं के कर्मी भी शामिल हैं। राष्ट्रीय संयुक्त परामर्श तंत्र ने सुझाव दिया है कि 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए। इसके अलावा, सेवानिवृत्ति लाभों में सुधार, कैशलेस चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था, और कर्मचारियों के बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता व छात्रावास सब्सिडी की मांग की गई है। एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव में मानक उपभोग यूनिट को 3 से बढ़ाकर 3.6 करने की सिफारिश की गई है। यह बदलाव न्यूनतम वेतन निर्धारण के आधार को प्रभावित करेगा और इससे शुरुआती वेतन में वृद्धि की संभावना बन सकती है। यह सुझाव 2019 में श्रम मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर आधारित है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में बताया कि सरकार को एनसी-जेसीएम से ये सुझाव प्राप्त हुए हैं। हालांकि ये सिफारिशें बाध्यकारी नहीं होतीं, लेकिन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और व्यय विभाग इनकी समीक्षा के बाद इन्हें कैबिनेट के सामने अंतिम अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करते हैं। 8वें वेतन आयोग के 1 जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है। यह आयोग 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए वेतन ढांचा और न्यूनतम वेतन नीति तय करेगा।

वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में लांच किए तीन नए ब्रांड

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में तीन देसी स्वादों जामुन, आम और नींबू के साथ अपने नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। देश में बढ़ती अल्कोहल की मांग को देखते हुए देशी और विदेशी ब्रांड अपने उत्पादों को स्थानीय रंग-रूप देने में जुटे हैं, और स्मिरनॉफ का यह कदम उसी दिशा में एक नया प्रयोग है।

भारतीय उपभोक्ताओं की भावनाओं और स्वाद की पसंद को ध्यान में रखते हुए स्मिरनॉफ ने मिंटी जामुन, मिर्ची मैंगो और जेस्टी लाइम जैसे फ्लेवर बाजार में उतारे हैं। कंपनी का मानना है कि जब ग्लोबल ब्रांड देसी स्वाद में ढलेंगे, तो ग्राहकों से भावनात्मक जुड़ाव और खरीदारी की संभावना बढ़ेगी। इन फ्लेवरों के जरिए न केवल एक अलग टेस्ट का अनुभव मिलेगा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का माध्यम भी बन सकते हैं। फिलहाल यह नए फ्लेवर केवल कुछ राज्यों कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में ही उपलब्ध हैं। लेकिन कंपनी की योजना है कि इन्हें धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों में भी उतारा जाए। कंपनी का उद्देश्य है कि युवा वर्ग जो नए और अनोखे स्वादों की तलाश में रहता है, उसे एक एडवेंचरस और यादगार अनुभव दिया जाए। डियाजियो इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर रुचिरा जेटली के अनुसार, भारतीय युवा उपभोक्ता अब पारंपरिक से हटकर कुछ नया चाहते हैं। वे चाहते हैं कि वैश्विक ब्रांड उनके स्थानीय स्वाद और संस्कृति से जुड़ें। मिंटी जामुन भारतीयों के बचपन की यादों से जुड़ा हुआ स्वाद है, मिर्ची मैंगो आम के तीखेपन को एक नए अंदाज़ में पेश करता है, और जेस्टी लाइम पारंपरिक नींबू के स्वाद को ताज़गी से भर देता है। इन नए फ्लेवरों को लॉन्च करना कंपनी की मार्केट स्ट्रैटेजी का अहम हिस्सा है, जिससे वह भारतीय बाजार में और गहरी पैठ बनाना चाहती है। स्मिरनॉफ का यह देसी अवतार निश्चित रूप से उन लोगों को आकर्षित करेगा, जो परंपरा और आधुनिकता का एक नया मेल तलाश रहे हैं।

सोने का भाव 1 लाख के पार, चांदी भी सार्वज निक स्तर पर

- सोना -1,00,400 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,16,200 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। बुधवार के कारोबारी दिन चांदी के वायदा भाव लगातार दूसरे दिन सार्वजे निक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के भाव 1,00,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,16,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के शुरुआती कारोबार में नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 124 रुपये की तेजी के साथ 1,00,453 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,00,329 रुपये था। इस समय यह 61 रुपये की तेजी के साथ 1,00,390 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,16,204 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,15,655 रुपये था। इस समय यह 577 रुपये की तेजी के साथ 1,16,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

हालांकि बाद में सोने के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,444.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,443.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.80 डॉलर की गिरावट के साथ 3,437.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 39.64 डॉलर के भाव पर खुले।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 2-1 से सीरीज जीती

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 13 रनों से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले टी20 सीरीज भी जीती थी। ये पहली बार है जब महिला टीम ने टी20 और एकदिवसीय दोनो ही सीरीज जीती हैं। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ भी इसी प्रकार एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीतीं थीं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की सहायता से पांच विकेट पर 318 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। क्रांति गौड़ ने छह विकेट अपने नाम किए, जबकि श्री चरणी ने दो विकेट लिए। एक विकेट दीप्ति शर्मा को मिला।

भारतीय पारी की शुरुआत अच्छी रही। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 64 रन बनाये। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर आउट हुईं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद हरमनप्रीत ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन बनाये। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए। हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन बनाकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जेमिमा ने 50 रन जबकि हरमनप्रीत ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन बनाये। वहीं मेजबान टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट लिया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, उसने शुरुआत में ही दोनो विकेट खो दिये। इसके बाद एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन बनाकर टीम को संभालने का प्रयास किया पर लैंब के 68 रन जबकि ब्रंट के 98 रन पर आउट होने से टीम ढ़ह गयी। एलिस रिचर्ड्स ने 44, जबकि सोफिया डंकले ने 34 रन बनाए पर टीम को जीत नहीं दिला पायीं।

केएल राहुल के इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे, भारत के दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हुए

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। केएल राहुल ने इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बाद ऐसा करने वाले वे केवल पांचवें भारतीय बन गए हैं।

इस लिस्ट में 1575 रनों के साथ तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, उनके बाद द्रविड़ (1376), गावस्कर (1152) और कोहली (1096) का स्थान है। अब राहुल इस सूची में शामिल हो गए हैं और अपने करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में उन्होंने चार शतक और दो अर्धशतक बनाए हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। यह सीरीज इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से होने के कारण भारत को चौथे मैच में जीत दर्ज करनी होगी। इसके लिए यह ज़रूरी है कि केएल बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए सारा दबाव झेलें, नई गेंद को पुराना होने दें और अपने बेहतरीन कवर ड्राइव को कुछ सावधानी से लीव शॉट लगाकर संतुलित करें। भारत ने मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है, जहां दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पारी के शुरुआती दौर में अच्छा नियंत्रण और संयम दिखाया।

केएल के पास इस सीरीज को अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन में बदलने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम 6 अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके 10 में से 9 टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्थ्र्ह्व) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में आए हैं। टीम में एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में केएल ने युवाओं और पुरानी पीढ़ी के बीच एक आदर्श कड़ी के रूप में काम किया है। जबकि आलोचकों ने पहले उन्हें प्रत्येक टेस्ट मैच के साथ गति और रन खोने के लिए सही ढंग से कोसा था, केएल ने इस बार अपने बल्ले से उन्हें चुप करा दिया है।

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू, पारी में ले चुका है 10 विकेट

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार 23 जुलाई से खेले जा रहे चौथे टेस्ट के लिए अंशुल कंबोज को टेस्ट में डेब्यू का अवसर मिला। इससे पहले फिट होने की कोशिशों में जुटे आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया था। ग्रोइन की चोट से जूझ रहे आकाश दीप ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला था जबकि अर्शदीप इस श्रृंखला में अभी तक नहीं खेल सके हैं और उन्हें भी चोट लगी है।

आकाश दीप की उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है जबकि अर्शदीप का मैनचेस्टर टेस्ट में खेलना मुश्किल ही लग रहा है जिसकी वजह से चयनकर्ताओं ने कम्बोज को बुलाया। अर्शदीप को नेट सत्र के दौरान साइ सुदर्शन का एक शॉट बचाते समय बाएं हाथ में चोट लगी थी। सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा था, 'हम मैनचेस्टर टेस्ट पास आने पर टीम संयोजन के बारे में फैसला लेंगे, खासकर अर्शदीप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए।' उन्होंने कहा था, 'उसे कट लगा है लेकिन देखना है कि यह कितना गहरा है। मेडिकल टीम उसे डॉक्टर के पास ले गई है और देखना है कि उसे टांके आते हैं या नहीं।'

कौन हैं अंशुल कंबोज

अंशुल कंबोज का जन्म 6 दिसम्बर 2000 को हरियाणा के करनाल में हुआ था। अंशुल दाएं हाथ के ऑलराउंडर हैं जो मध्यम गति की गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में हरियाणा के लिए खेलते हैं। वह आईपीएल में भी खेल चुके हैं। वर्तमान में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं जबकि इससे पहले मुंबई इंडियंस के लिए खेलते थे।

कंबोज ने टेस्ट श्रृंखला से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों में भारत ए के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने नॉर्थम्पटन और कैंटरबरी में चार पारियों में 5 विकेट लिए। उन्होंने पिछले साल केरल के खिलाफ लाहली में रणजी ट्रॉफी मैच में हरियाणा के लिए एक पारी के 10 विकेट चटकाए थे। वह बंगाल के प्रेमांग्शु चटर्जी (1956 . 57) और राजस्थान के प्रदीप सोमासुंदरम (1985 . 86) के बाद यह कारनामा करने वाले तीसरे गेंदबाज बने थे। उन्होंने पिछले सत्र में छह रणजी मैचों में 34 विकेट लिए थे।

रसेल ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली, प्रशंसकों का आभार जताया

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली हालांकि इस मैच में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी विदायी फीकी पड़ गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी से आसानी से जीत हासिल कर की। इस मैच में सभी की नजरें रसेल पर लगी रहीं। उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में प्रशंसक भी स्टेडियम में पहुंचे थे। इस विदायी पार्टी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज इंग्लिस ने 33 गेंदों में ही 78 रन बनाए। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वह सबीना पार्क में अपने घरेलू मैदान में विदाई मैच खेलना चाहते थे और उनका ये सपना पूरा हो गया। इस मैच में रसेल ने 15 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 240 का था। वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 172 रन बना पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 173 रनों के लक्ष्य को 16वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

मैच के बाद रसेल ने कहा, मैं सभी प्रशंसकों को समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई, परिणाम भले ही हमारे पक्ष में नहीं गया पर इतने सारे मैच खेलकर मैं खुश हूं और टीम के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए में आभारी हूं, मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते थे पर अब अंत में मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था, हमारी टीम में कई अच्छे युवा खिलाड़ी हैं, शेफर्ड भी जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं और रदरफोर्ड, अल्ज़ारी और होल्डर जैसे खिलाड़ी भी हैं। सबीना पार्क में अपने करियर का समापन करना काफी अच्छा रहा, परिणाम हमारे पक्ष में नहीं गया पर यहीं क्रिकेट का यही खेल है। आपने हमारा बहुत साथ दिया है और आगे भी देते रहिए।

रसेल ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 86 मैचों में 163.80 के स्ट्राइक रेट से कुल 1122 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाये। वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्होंने 61 विकेट विकेट लिए। उनका सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देकर 3 विकेट रहा है। उन्होंने 56 एकदिवसीय ओर एक टेस्ट खेला है पर इन दोनो ही प्रारुपों में वह सफल नहीं रहे हैं।

सुंदर भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर बनाकर उभरेगा : शास्त्री

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की जमकर सराहना ही है। शास्त्री के अनुसार सुंदर एक अच्छे गेंदबाज होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ऐसे में वह भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर के तौर पर उभरेंगे। इसलिए उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। इस स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही अब तक केवल 11 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 30 विकेट और 545 रन हैं। शास्त्री ने कहा, 'मुझे शुरूआत से ही सुंदर प्रतिभाशाली लगा। मैंने उसे पहली बार देखते ही जान लिया था कि वह एक अच्छा खिलाड़ी है और उसमें एक अच्छा ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं है। शास्त्री का मानना है कि इस क्रिकेटर को घरेलू धरती पर घूमती हुई पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था। उसने कुछ सीनियर स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था और इसके साथ ही वह अच्छा बल्लेबाज भी है।

पाकिस्तान को एफआईएच हॉकी प्रो लीग का औपचारिक निमंत्रण मिला

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। हॉकी न्यूजीलैंड द्वारा पिछले महीने एफआईएच हॉकी नेशंस कप जीतने के बावजूद अगले एफआईएच हॉकी प्रो लीग पुरुष सत्र में भाग न लेने के अपने निर्णय की अंतररष्ट्रीय हॉकी महासंघ को सूचना देने के बाद, एफआईएच ने नियमों के अनुसार, नेशंस कप उपविजेता, यानी पाकिस्तान को 2025-26 प्रो लीग संस्करण में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। पाकिस्तान हॉकी संघ को निमंत्रण स्वीकार या अस्वीकार करने के अपने निर्णय के बारे में एफआईएच को सूचित करने के लिए 12 अगस्त तक की समय सीमा दी गई है। 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में डच महिला और पुरुष दोनों टीमों को चैंपियन घोषित किया गया। आगामी सत्र' लीग ऑफ द बेस्ट 'का सातवां सत्र होगा।

आईएसएल इसी प्रकार स्थागित रहा तो फुटबॉल पीछे चला जाएगा : छेत्री

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का मानना है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित बने रहने से देश में फुटबॉल को नुकसान होगा। छेत्री के अनुसार इससे खिलाड़ियों में संशय के हालात हैं। इससे प्रशंसकों में भी कई आशंकाएं हैं। छेत्री इस लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलते हैंऔर अनका कहना है कि कई लोगों ने उनसे संपर्क कर देश में फुटबॉल के भविष्य को लेकर चिन्ताएं जतायी हैं। साथ ही कहा कि इससे खेल में उभर रहीं प्रतिभाओं का भी मनोबल गिरेगा। इस स्टार फुटबॉलर ने कहा , मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसमें मुझे क्या करना होगा। इसके बाद कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे लगा कि मेरी समस्या उतनी बड़ी नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, आदि के कई संदेश मिले हैं। छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल में अभी जो स्थिति बनी हुई है , वैसी पहले कभी नहीं थी। इसी कारण इस खेल से जुड़े लोग चिंतित, और घबराये हुए हैं। गौरतब है कि आयोजकों और अखिर भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच करार का नवीनीकरण नहीं होने से 2025-26 के सत्र को अनिश्चितता के लिए स्थगित कर दिया गया है। आईएसएल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है ।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

किंगस्टन(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को लगातार दूसरे टी20 में हरा दिया है। जमैका के किंग्सटन के सबीना पार्क में खेले गए मुकाबले में कंगारुओं ने आठ विकेट से जीत हासिल की। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने तूफानी पारियां खेलीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 15.2 ओवर में दो विकेट पर 173 रन बनाकर मैच जीत लिया। इंगलिस 33 गेंद में सात चौके और पांच छक्के की मदद से 78 रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं, कैमरन ग्रीन ने 32 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 56 रन की नाबाद पारी खेली। इंगलिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहला टी20 ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट से अपने नाम किया था और अब दूसरा टी20 जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। वहीं, पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टी20 26 जुलाई को सेंट किट्स में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के लिए इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल ओपनिंग के लिए आए थे, लेकिन वह फेल रहे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत सधी हुई रही थी। ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप ने पहले विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इसमें ज्यादातर योगदान किंग का रहा। किंग ने अर्धशतक जमाया। वह 36 गेंद में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम पूरी तरह विफल रहा।

शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड खाता खोले बिना आउट हुए। अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली और स्कोर 130 के पार पहुंचाया। होल्डर एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में गुडाकेश मोती ने नौ गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए और स्कोर 172 तक ले गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा ने तीन विकेट लिए, जबकि नाथन एलिस और मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, बेन ड्वारशुइस को एक विकेट मिला।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। ग्लेन मैक्सवेल 10 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 12 रन और कप्तान मिचेल मार्श 17 गेंद में एक चौका और दो छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद इंगलिस और ग्रीन ने रही सही कसर पूरी कर दी। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 131 रन की नाबाद साझेदारी निभाई। इंगलिस ने 33 गेंद में सात चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 78 रन और ग्रीन ने 32 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 56 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से होल्डर और जोसेफ को एक-एक विकेट मिला।

पीवी सिंधु ने विश्व नंबर 6 तोमोका मियाजाकी को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

चांगझोउ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में चल रहे प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट चाइना ओपन 2025 में रोमांचक जीत के साथ महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। विश्व नंबर 6 जापान की तोमोका मियाजाकी के खिलाफ, सिंधु (विश्व रैंकिंग 15) ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता का परिचय देते हुए तीन गेमों के कड़े मुकाबले में 21-15, 8-21, 21-17 से जीत हासिल की। दूसरा गेम हारने के बाद, भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में बढ़त बनाए रखते हुए जीत पक्की कर ली। पुरुष युगल में, विश्व की 12वें नंबर की जोड़ी, सात्विक-चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। इस जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को सीधे गेमों में 21-13, 21-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस बीच महिला युगल में, पांडा बहनों, रुतपर्णा और श्वेतपर्णा को हांगकांग-चीन की अनुभवी जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और उन्होंने अपना अभियान समाप्त किया।

करुण नायर के पास अपने को साबित करने का अंतिम अवसर

लंदन। आठ साल बाद इंग्लैंड दौरे से भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर अगर इस बार रन नहीं बना पाते हैं तो उनका करियर समाप्त हो जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले तीन टेस्ट मैचों में वह असफल रहे हैं। घरेल क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में अवसर मिला था पर वह अब तक उसका लाभ नहीं उठा पाये हैं। सीरीज के शुरुआती तीनों मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये। अच्छी शुरुआत करने के बावजूद वह बड़े स्कोर नहीं बना पाये हैं। उन्हें एक के बाद दूसरे और तीसरे टेस्ट में भी अवसर मिले। नायर ने मौजूदा सीरीज में अब तक 3 टेस्ट की 6 पारियों में 21.83 की औसत से 131 रन बनाए हैं। कप्तान शुभमन गिल ने चौथे टेस्ट से पहले करुण का बचाव करते हुए कहा, 'हां, हमने उससे बात की है लेकिन हम समझते हैं कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। इस तरह की सीरीज में कोई खिलाड़ी वापसी करता है तो वह कठिन होता है। पर हम नहीं समझते कि उनकी बल्लेबाजी के साथ कोई मामला है। वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने घोषणा की कि वे पहले राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक का अध्ययन करेंगे, जो बुधवार को संसद में पेश किया जाना है, और उसके बाद ही वे इस पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार ने खुलासा किया कि बीसीसीआई प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगी जिसे संसद के मानसून सत्र में पेश किए जाने की उम्मीद है। हालांकि बीसीसीआई सरकारी धन पर निर्भर नहीं है, फिर भी विधेयक में इसके शामिल होने की व्यापक रूप से उम्मीद थी, खासकर 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय क्रिकेट टीम की प्रस्तावित भागीदारी को देखते हुए।

शुक्ला ने विधेयक पेश होने से पहले इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा, %हमें विधेयक पेश होने के बाद इसका अध्ययन करना होगा। उसके बाद ही मैं इस पर अपने विचार व्यक्त कर सकता हूं।' बीसीसीआई तमिलनाडु सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के तहत पंजीकृत है। बीसीसीआई भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के सभी पहलुओं की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। फिलहाल बीसीसीआई 45 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों के अंतर्गत नहीं आता है। अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस विधेयक के दायरे में आता है, तो वह सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन भी आ सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, राष्ट्रीय खेल महासंघों (NSF) के चुनावों और खिलाड़ियों के चयन को लेकर बार-बार होने वाले मुकदमेबाजी, एक समर्पित विवाद समाधान मंच का अभाव, महासंघों में खिलाड़ियों का कमजोर या नाममात्र का प्रतिनिधित्व, खेल नेतृत्व में लैंगिक असंतुलन और सभी महासंघों में मानक चुनावी प्रक्रिया का अभाव जैसी समस्याओं का समाधान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह हस्त्र में वित्तीय अस्पष्टता और खराब प्रशासन के साथ-साथ आंतरिक शिकायत निवारण प्रणालियों के अभाव से निपटने में भी मदद करेगा। राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का उद्देश्य खेल निकायों के पारदर्शी और निष्पक्ष संचालन के लिए एक कानूनी ढांचा स्थापित करना है जिससे निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य हो जाएगा। इसका उद्देश्य खेल न्यायाधिकरण के माध्यम से विवादों का त्वरित समाधान और चुनाव पैनल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की भूमिका नियंत्रक की नहीं, बल्कि सुविधा प्रदाता की होगी।

एकल मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस विलियम्स

वाशिंगटन। वीनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया और डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है।' वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को 'देवताओं की घाटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर- यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा- यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हजारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर- एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली- साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर- यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली- स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास- यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड- यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है- प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

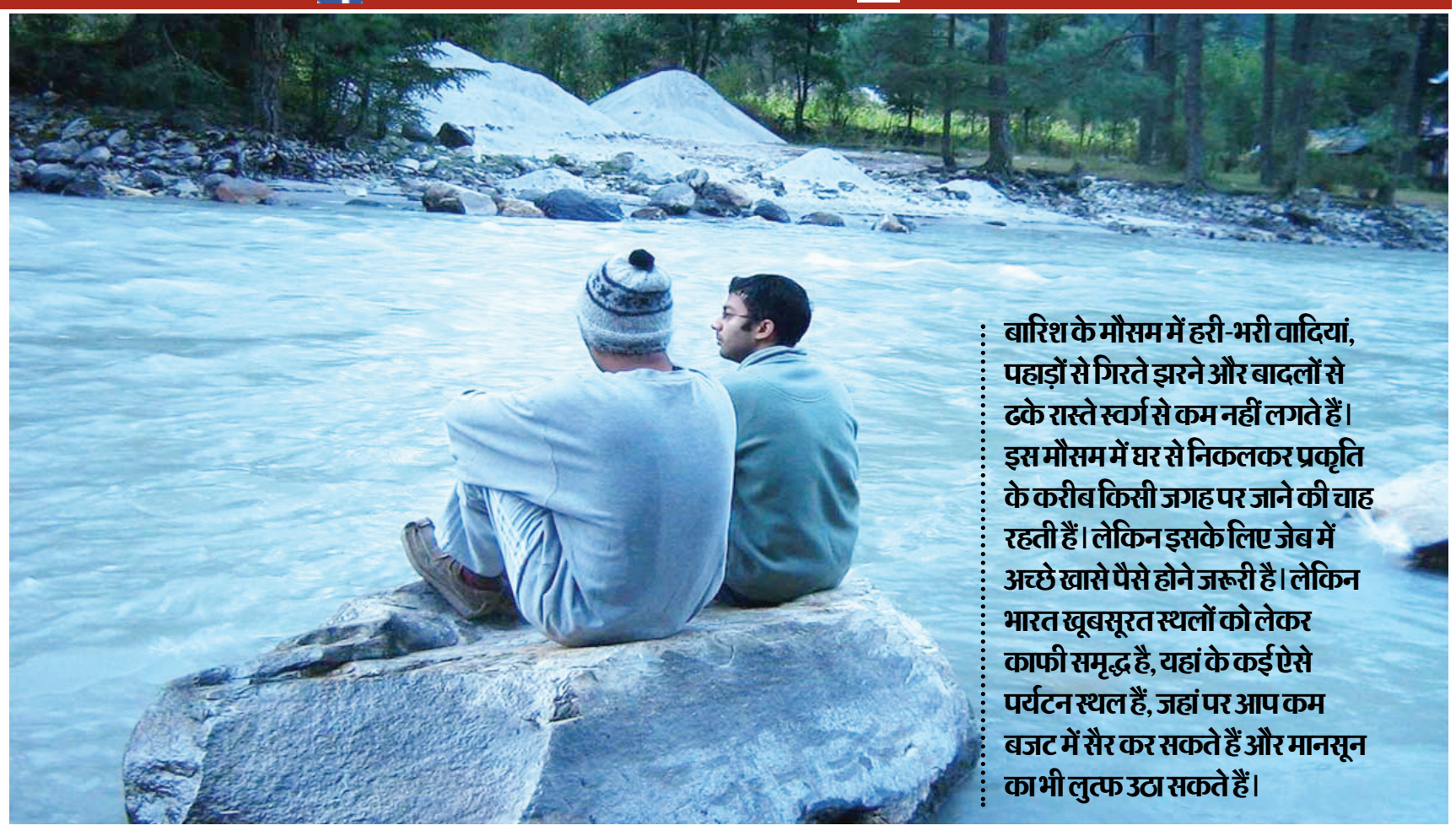

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग और बारिश का मजा ले सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है 'सोने की घाटी') एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. ज़ोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट - यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय - मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का भंडाफोड़-राजदूत हर्षवर्धन जैन गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने गाजियाबाद के कविनगर में चल रहे एक अवैध दूतावास का पर्दाफाश किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी हर्षवर्धन जैन को गिरफ्तार किया है, जो खुद को वेस्ट आर्कटिक, सबोरगा, पोल्विया, लोदोनिया जैसे काल्पनिक या माइक्रोनेशन देशों का काउंसलर/राजदूत बताकर लोगों को ठग रहा था। एसटीएफ की कार्रवाई में चौंकाने वाली चीजें बरामद हुई हैं, इसमें डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी चार गाड़ियां, माइक्रोनेशन देशों के 12 फर्जी डिप्लोमैटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की नकली मुहर लगे दस्तावेज, दो फर्जी पैन कार्ड, 34 विभिन्न देशों व कंपनियों की जाली मुहरें, दो जाली प्रेस कार्ड, करीब 44.70 लाख रुपये नकद औश्र कई देशों की विदेशी मुद्रा बरामद की है। एडीजी (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि हर्षवर्धन जैन न केवल फर्जी राजनयिक पहचान बनाकर लोगों को भ्रमित करता था, बल्कि पहचान का इस्तेमाल राजनयिक छूट, सुरक्षा और प्रभाव का दुरुपयोग करने के लिए भी करता था। उसके पास से कई विदेशी कंपनियों के दस्तावेज भी मिले हैं, जिनका उपयोग वह व्यावसायिक और कूटनीतिक गतिविधियों की आड़ में कर रहा था। हर्षवर्धन खुद को फर्जी देशों का राजदूत बताकर डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट वाली गाड़ियों में घूमता था और लोगों को गुमराह करता था कि वह एक अंतरराष्ट्रीय राजनयिक है। हालांकि, पूछताछ में उसके सभी दावे और दस्तावेज फर्जी निकले। यूपी एसटीएफ मामले की अंतरराष्ट्रीय एंगल से जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि क्या आरोपी ने विदेशी नागरिकों या किसी नेटवर्क के साथ मिलकर यह धोखाधड़ी की है। साथ ही, यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने अब तक कितने लोगों को ठगा है और किन-किन विभागों या संस्थानों को गुमराह किया है।

भारतीय एयरस्पेस में 23 अगस्त तक नहीं आ सकेंगे पाकिस्तानी विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने एयरस्पेस पर प्रतिबंध बढ़ा दिए हैं। दरअसल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर हवाई क्षेत्र प्रतिबंध पर बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी विमानों के भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले नोटिस टू एयरमेन (नोटम) को आधिकारिक तौर पर 23 अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया है। यह विस्तार निरंतर रणनीतिक विचारों को दर्शाता है और मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप है। इस फैसले से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट आगे भी बताए जाएंगे। बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक से लिया था। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। भारत ने ठीक 15 दिन बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था। हमले के लिए जिम्मेदार समूहों से जुड़े आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर यह ऑपरेशन सटीकता के साथ किया गया। भारत सरकार ने पुष्टि की कि सभी नौ ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई भी नागरिक या सैन्य ढांचा प्रभावित नहीं हुआ।

कांवड़ यात्रा में करंट, 2 की मौत

अलवर (एजेंसी)। अलवर में कांवड़ यात्रा में करंट फैलने से 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में 30 से ज्यादा कांवडिये झुलसे हैं। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। घटना लक्ष्मणगढ़ के बिचगांवा में बुधवार सुबह 7.30 बजे हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें श्रद्धालु डांस करते नजर आ रहे हैं। फिर अचानक कई लोग जमीन पर गिर जाते हैं। जानकारी के अनुसार कांवड़ यात्रा में चल रहा डीजे ट्रक हाईटेंशन लाइन से टच हो गया था। इसके बाद जमीन पर करंट फैल गया। हादसे में झुलसे तीन लोगों की हालत गंभीर हैं। घटना से गुस्साए लोगों ने प्रशासन के साथ सहमति से पहले 5 घंटे तक लक्ष्मणगढ़-मुंडावर रोड जाम रखा।

बेंगलुरु में बस स्टैंड पर विस्फोटक बरामद

-टॉयलेट के बाहर जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर मिले

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु के कलासीपाल्यम बस स्टैंड पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं। वेस्ट बेंगलुरु के डीसीपी एस गिरीश ने बताया कि बस स्टैंड के टॉयलेट के बाहर एक प्लास्टिक बैग में छह जिलेटिन की छड़ें और कुछ डेटोनेटर (दोनों अलग-अलग) मिले। मौके पर पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) पहुंच गए। घटना के पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पिछले साल, 1 मार्च को बेंगलुरु में फेमस रामेश्वरम कैफे में आईईडी ब्लास्ट हुआ था। इसमें 10 लोग घायल हुए थे। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि मास्क लगाए हुए एक व्यक्ति कैफे के पास बस से उतरा और कैफे में घुसा। वह एक बैग लेकर आया था। कैफे में उसने इडली ऑर्डर की, काउंटर पर पेमेंट करके टोकन लिया। इसके बाद बैग को डस्टबिन के पास रखकर चला गया। एक घंटे बाद इसी बैग में टाइमर के जरिए धमाका हुआ था।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनी महिला सिपाहियों ने किया हंगामा, बाथरूम में कैमरे होने का आरोप, पीटीआई सस्पेंड

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में बुधवार को 600 ट्रेनी महिला सिपाहियों ने हंगामा कर दिया। वे रोती-चिल्लाती सड़कों पर निकल आईं, और बाथरूम में सीसीटीवी कैमरे लगे होने का गंभीर आरोप लगाया। महिलाओं ने कहा कि कैमरों से उनका वीडियो बना है और वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। ट्रेनी महिला सिपाहियों ने बाथरूम की गैलरी में कैमरे लगे होने का आरोप लगाया। इसी के साथ महिला सिपाहियों ने पूछा, हमारे वीडियो बने हैं, उन्हें डिलीट किया जाएगा या नहीं? 360 के रहने की जगह पर 600 सिपाही ठूंसी गईं—बेहद खराब व्यवस्था की शिकायत।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के रक्षा बाजार में चमका भारत....स्वदेशी हथियारों की वैश्विक मांग बढ़ी

पाकिस्तान की नींद उड़ने वाली ब्रह्मोस मिसाइल की डिमाड़ सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आंतकी हमले के खिलाफ शुरु किया गया ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य ताकत, शौर्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस अभियान ने पाकिस्तान की कमर तोड़ दी लेकिन भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की ताकत को वैश्विक मंच पर दिखा दिया। भारत के स्वदेशी हथियारों का कमाल पूरी दुनिया ने देखा और अब इसके फायदा भी मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका रॉकेट लॉन्चर और डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम जैसे स्वदेशी हथियारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 10 मई को भारतीय वायुसेना ने एसयू-30 एमकेआई विमानों से 15 ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ पाकिस्तान में भयानक कहर ढाया। पाकिस्तान के 11 हवाई अड्डों पर सटीक हमले किए किए, जिसमें जैसे कई महत्वपूर्ण हवाई अड्डे शामिल थे। आकाश और अकाशतीर प्रणालियों ने पाकिस्तान के 300-400 ड्रोन हमलों और मिसाइलों को नाकाम कर भारतीय हवाई क्षेत्र को सुरक्षित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई 2025 को राष्ट्र को संबोधित कर कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि 'मेक इन इंडिया' केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धक्षेत्र में भारत की सिद्ध क्षमता भी है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी स्वीकार किया कि अभियान ने स्वदेशी हथियारों की वैश्विक मांग को बढ़ाया है। भारतीय ड्रोन स्टार्टअप्स से लेकर पब्लिक सेक्टर की दिग्गज कंपनियों तक, सभी अब रक्षा उत्पादों के निर्यात की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की नींद उड़ने वाली ब्रह्मोस मिसाइल की विदेशी बाजारों में मांग में सबसे ज्यादा है।

भारत का रक्षा निर्यात 2023-24 में 23,622 करोड़ तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष से 12 प्रतिशत अधिक है। एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि फिलीपींस को 375 मिलियन डॉलर की ब्रह्मोस मिसाइलें निर्यात की गईं, जिसे रूस और भारत ने एसाथ में मिलकर बनाया है। अब वियतनाम, इंडोनेशिया, ब्राजील और अफ्रीकी देशों के साथ भी ब्रह्मोस को लेकर बातचीत चल रही है। आकाश एयर डिफेंस प्रणाली का साल 2022 में आर्मेनिया को 6,000 करोड़ का निर्यात और पिनाका रॉकेट्स की मांग और मजबूत बनाती हैं। अब मोदी सरकार का लक्ष्य साल 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ से अधिक करना है।

मेक इन इंडिया का बजा डंका

ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल भारतीय हथियारों को पहचान दी बल्कि पाकिस्तान के चीनी हथियारों, जैसे एचक्यू-9 और एलवाई-80 की कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। इसके बाद बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित किया। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत अब आयातक से निर्यातक की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को नई दिशा मिल रही है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाए.... नड्डा मुददे पर स्थिति स्पष्ट करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने पूछा कि अगर स्वास्थ्य ही वजह थी, तब यह मानसून सत्र के पहले दिन ही क्यों हुआ, उनके अचानक इस्तीफें से संसदीय कार्यवाही पर असर पड़ा। यूबीटी सांसद चतुर्वेदी ने कहा कि धनखड़ इस्तीफे से ठीक एक दिन पहले तक संसदीय कार्यवाही का संचालन कर रहे थे और मार्च में तबीयत खराब होने पर भी उन्होंने सदन में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि जनता के मन में भी कई सवाल हैं, क्योंकि सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति बिल्कुल ठीक दिख रहे थे। यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने धनखड़ के इस्तीफे को राज्यसभा की कार्यवाही के लिए इमरजेंसी ब्रेक करार दिया, जिससे सदन की बैठकें नहीं हो पा रही हैं और बातचीत के विषयों का पता नहीं चल पा रहा है। सांसद चतुर्वेदी ने कहा कि सदन में पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन सरकार इन मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है और विपक्ष की विशेष सत्र की मांग को भी दबा रही है। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर गंभीर चिंता जाहिर की हैं। इस प्रक्रिया को लोगों के वोटिंग अधिकारों को छीनने का प्रयास बताया, क्योंकि मांगे गए दस्तावेज सभी के पास उपलब्ध नहीं हैं। शिवसेना यूबीटी गुट की सांसद चतुर्वेदी ने सवाल उठाया कि जब आधार को बैंकिंग सिस्टम में पहचान के लिए व्यापक रूप से स्वीकार कर सकते है, तब मतदाता सूची के सत्यापन में क्यों नहीं माना जा रहा। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा संसद में उठाया जाएगा।

भारत और ब्रिटेन सीमा पार आतंकवाद पर करेंगे चर्चा: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज से शुरू होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों और इस तरह की चुनौतियों का दृढ़ता से जवाब देने की आवश्यकता के बारे में विचार साझा किए जाएंगे।

पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन टीआरएफ कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहा है। जिसमें इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हुआ जघन्य हमला भी शामिल है। हमले की जिम्मेदारी इस संगठन ने दो बार ली है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश विभाग ने हाल ही में टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन, एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी और पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का प्रतिनिधि घोषित किया है। मुझे यकीन है कि हमारे ब्रिटिश सहयोगियों को इस घटनाक्रम की जानकारी है, लेकिन इससे हमें सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों और ऐसी चुनौतियों का दृढ़ता से जवाब देने की आवश्यकता पर आगे विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। पिछले सप्ताह टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि यह कार्रवाई हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के न्याय के आह्वान को लागू करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का मुखौटा और प्रतिनिधि संगठन, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में लश्कर द्वारा किए गए मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था। भारत ने वाशिंगटन के इस फैसले का स्वागत किया था और इसे समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया था।

एसआईआर के बहाने गरीबों-वंचितों का वोट देने का अधिकार छीनने की कोशिश

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव का मोदी सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा जारी है। सदन में विपक्षी पार्टियों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विरोध कर रही है। वहीं बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर गंभीर आरोप लगाकर चुनाव आयोग की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर के बहाने गरीबों-वंचितों का वोट देने का अधिकार छीनने की कोशिश हो रही है। सांसद पप्पू यादव ने चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन प्रक्रिया को गरीबों, दलितों और वंचित वर्गों के खिलाफ सुनियोजित कदम माना है। सांसद का दावा है कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) कई गांवों में नहीं जा रहे, खासकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, और सत्यापन प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है।

उन्होंने इस प्रक्रिया को लोकतंत्र पर हमला करार देकर कहा कि यह पूरी प्रक्रिया के तहत गरीबों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की कोशिश हो रही है। पप्पू यादव ने कहा कि भाजपा उन क्षेत्रों में मतदाता सूची से नाम हटा रही है जहां एनडीए को वोट मिलने की संभावना कम है, ताकि विपक्ष कमजोर हो सके। यह प्रक्रिया संविधान के खिलाफ है और मोदी सरकार एसआईआर पर खुलकर जवाब देने को तैयार नहीं है। उन्होंने पूरे भारत में बंद और व्यापक मुहिम चलाने की बात कही है, साथ ही विपक्षी दलों से एकजुट होकर इसका विरोध करने का आह्वान किया है।

उन्होंने आयोग की प्रकिया पर सवाल उठाकर कहा कि 51 लाख मतदाता कहां से आए और इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाने का आधार क्या है? सांसद यादव का दावा है कि भाजपा बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को मनमाने ढंग से नाम हटाने का अधिकार दे रही है, वे बिना आधार या राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों की जांच के। सांसद ने आरोप लगाया है कि चुनाव को लेकर भाजपा ने जो सर्वे किया उन्हें बीएलओ को दे दिया गया है। वोटर लिस्ट चेक करते हैं और वोटर लिस्ट से काट दिया जा रहा है। एसआईआर बिहार के लोगों को अधिकार छीनने की प्रक्रिया है। गरीबों का वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि निचली अदालतों पर भरोसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट पर विश्वास है कि वह इस मामले में सख्त कदम उठाएगा।

एयर इंडिया हादसे में शवों की अदला-बदली और गलत पहचान का मामला

पीएम मोदी के सामने उठ सकता हैं ये मामला

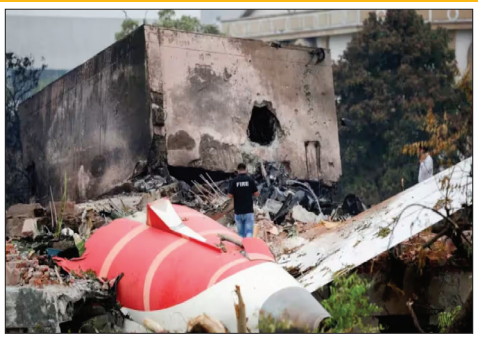

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए यात्रियों के परिवारों को अब एक नई त्रासदी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों के शवों की अदला-बदली और गलत पहचान के कई मामले सामने आए हैं। कुछ परिवारों को अपने प्रियजनों की जगह किसी और का शव मिला है, जिससे उनके अंतिम संस्कार भी रुक गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ ताबूतों में एक से ज़्यादा लोगों के अवशेष पाए गए, जिन्हें अंतिम संस्कार से पहले अलग करने की ज़रूरत थी। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुए हादसे में 261 लोग मारे गए थे, जिसमें से 52 ब्रिटिश नागरिक थे। अब तक शवों की अदला-बदली की कम से कम दो घटनाएं सामने आई हैं, और आशंका है कि इसतरह के कई और मामले हो सकते हैं।

बात दें कि पीड़ितों के परिवार घटना से सदमे में हैं और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। लंदन में डॉ. फिओना विल्कोक्स ने ब्रिटिश नागरिकों के शवों और उनके डीएनए का मिलान करने की कोशिश की, ताकि उनकी सही पहचान हो सके। एविएशन मामलों के वकील जेम्स हेली प्राट ने बताया कि परिवार सबसे पहले अपने प्रियजनों के शवों को वापस चाहते थे, लेकिन अब उन्हें गलत अवशेष मिलने से गहरा दुख हुआ है। वह मानते हैं कि एयर इंडिया को इस गलती के लिए परिवारों को स्पष्टीकरण देना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, अगले हफ्ते प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान इस पूरे मुद्दे को उठा सकते हैं। ब्रिटेन सरकार ने भी पीड़ितों के परिवारों की अत्यधिक पीड़ा पर चिंता व्यक्त की है।

इस बीच, एयर इंडिया ने कहा कि उसने अपने बोइंग 787 और 737 विमानों के बेड़े में ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की लॉकिंग प्रणाली का एहतियाती निरीक्षण पूरा कर लिया है और उसमें कोई भी समस्या नहीं मिली है। यह निरीक्षण विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद किया गया था, जिसमें कहा गया था कि दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले विमान के ईंधन स्विच बंद कर दिए गए थे। नागर विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया को 21 जुलाई तक इस निरीक्षण को पूरा करने का निर्देश दिया था। एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान 12 जून को लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि ज़मीन पर मौजूद 19 लोग भी मारे गए थे।

विधानसभा चुनाव से पहले बांग्ला अस्मिता को धार देने में जुटी ममता... प्रस्ताव लेने की तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा अगस्त माह में एक विशेष सत्र आयोजित कर सकती है, जिसमें भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों पर कथित उत्पीड़न और प्रताड़ना को लेकर औपचारिक प्रस्ताव लाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यह सत्र 8 से 21 अगस्त के बीच बुलाया जा सकता है। इस विशेष सत्र में दो प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। ये प्रमुख मुद्दे अन्य राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों पर कथित हमले और उन्हें बांग्लादेशी कहकर अपमानित करने के आरोप हो सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस मामले पर सत्तारूढ़ पार्टी के साथ प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है। हालांकि अंतिम निर्णय अभी बाकी है। प्रस्ताव को अंतिम रूप दिए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष विमान बंदोपाध्याय के कार्यालय में राज्य के संसदीय कार्य विभाग द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। यह कदम तब उठाया गया है जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोजित शहीद दिवस रैली के दौरान जोरदार तरीके से बांग्ला अस्मिता (बंगाली पहचान) का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बंगाली भाषा और संस्कृति के खिलाफ किसी भी प्रकार की भाषाई आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ममता ने कहा था कि हम बंगाल में दूसरी भाषा आंदोलन शुरू करने वाले है। अगर अन्य राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों को गिरफ्तार किया जाता हैं, तब आंदोलन दिल्ली तक पहुंचेगा। उन्होंने ऐलान किया कि उनकी पार्टी 27 जुलाई से राज्य भर में इस मुद्दे पर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। इस मुद्दे को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने संसद में भी प्रदर्शन किया। पार्टी इस विषय को आने वाले 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बंगाली पहचान के मुद्दे के तौर पर प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। विशेष सत्र और प्रस्ताव के जरिए ममता बनर्जी की सरकार बीजेपी शासित राज्यों में बंगालियों के साथ हो रहे कथित भेदभाव को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाना चाहती है।

पहलगाम आंतकी हमले से प्रभावित हुआ पर्यटन: घाटी में 80 फीसद गिरा टूरिज्म

-ना होटल बुक हुए, ना टैक्सियों की आवाजाही

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले को तीन महीने गुजर चुके हैं, लेकिन कश्मीर में पर्यटन पटरी पर आने को तैयार नहीं है। टूरिज्म कल्चर अब तक उस झटके से उबर नहीं सका है। डल झील से लेकर लाल चौक तक पर्यटकों के अभाव में सन्नाटा पसरा हुआ दिख रहा है।

गौरतलब है कि आतंकी हमले से अब तक का वक्त पर्यटन के लिए यहां का पीक सीजन कहलाता था, लेकिन इस सीजन में ना तो होटल बुक हुए, ना टैक्सियों की आवाजाही दिखाई दी है। हाउस बोट, होटल और ड्राइवरों के लिए आमदनी का सबसे अहम वक्त ठप पड़ा है। इस संबंध में डल झील के हाउस बोट के एक मालिक का कहना था, कि पहले रोजाना 13,500 रुपए की कमाई हो जाती थी, लेकिन इस बार सिर्फ 4 से 5 प्रतिशत ही रही है। बच्चों की फीस तक नहीं भर पा रहे हैं। स्कूल ने बच्चों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया। बहुत तकलीफ के बीच वो कह पाए कि कर्ज उठाकर और जेवर बेचकर ग्राहकों की प्री-बुकिंग राशि लौटाई है। आगे क्या होगा सब ईश्वर ही मालिक है।

पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद से श्रीनगर की शान कहे जाने वाले लाल चौक की रौनक मानों कहीं गायब हो गई है। लोकल दुकानदार कह रहे हैं, जवान लड़के कश्मीर छोड़कर बाहर काम करने जा रहे हैं। हमारी तो सरकार से बस यही मांग है कि किसी तरह से रोजी-रोटी चलवा दे। इसके साथ ही गुलमर्ग में भी हालात बेहतर नहीं हैं। पहले दिन के 3-4 हजार की कमाई हो जाती थी, अब 300-400 रुपए में इत्मिनान करना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस जुटाना और घर चलाना मुश्किल हो गया है। एटीवी ड्राइवरों की सुनें तो वो बताते हैं, कि पहले हर दिन 10 हजार गाड़ियां आती थीं, अब मुश्किल से 100-150 पहुंच पाई हैं। इस तरह टूरिज्म 80 प्रतिशत तक गिरा है। वहीं दूसरी तरफ जो लोग यहां पर्यटन के लिए पहुंचे वो सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संतुष्ट नजर आए हैं। ताइवान और इटली से आई महिला टूरिस्ट्स ने अपने अनुभव साझा करते हुए जहां यहां की खूबसूरती और लोगों के मिजाज की सराहना की वहीं उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को बहुत अच्छा बताया। इससे संदेश जाता है कि यहां का माहौल अब पूरी तरह सुरक्षित है। ऐसे में स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सरकार कुछ न कुछ राहत पैकेज जरुर उपलब्ध कराएगी। इसी तरह के सहयोग से पर्यटन और लोगों का कारोबार पटरी पर वापस आ सकेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का ईरान ने परीक्षण किया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सोमवार को एक उप-कक्षीय परीक्षण उड़ान के तहत अपने सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट घासेद का परीक्षण किया। यह परीक्षण जून में ईरान-इजराइल युद्ध और अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद पहला ऐसा परीक्षण है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, यह परीक्षण अंतरिक्ष तकनीक में नई उभरती तकनीकों का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। घासेद रॉकेट ठोस और तरल ईंधन से संचालित होता है और इसे पहली बार 2020 में प्रक्षेपित किया गया था। यह परीक्षण ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम और उपग्रह क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

ट्रंप प्रशासन ने 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की एक संघीय अदालत में अहम मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। हार्वर्ड ने दलील दी कि ट्रंप प्रशासन ने उसके 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा गया है। प्रशासन ने हार्वर्ड पर उदारवाद और यहूदी विरोध का अड्डा होने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड ने इसका विरोध किया है और फंड कटौती के खिलाफ यह मुकदमा उच्च शिक्षा जगत में ध्यान आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे अनुसंधान, करियर और प्रयोगशालाओं को नुकसान होगा। सरकार ने कहा कि ट्रंप के आदेशों का उल्लंघन होने पर वह फंड रोकने का अधिकार रखती है।

जोहरान ममदानी अमेरिका से युगांडा गए, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक नेता का युगांडा दौरा चर्चा में है। न्यूयॉर्क सिटी में मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी अपनी शादी का जश्न मनाने जन्मस्थान युगांडा गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह निजी यात्रा पर इस पूर्वी अफ्रीकी देश में आए हैं और जुलाई के अंत तक न्यूयॉर्क सिटी लौट आएंगे। आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में 33 वर्षीय ममदानी का मुकाबला एंड्रयू कुओमो और मौजूदा मेयर एरिक एडम्स जैसे उम्मीदवारों से है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर वीडियो में ममदानी ने मजाक में कहा, ऑनलाइन ट्रोल की सलाह मानकर वे अफ्रीका लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर घृणा करने वाले लोगों से माफी मांगते हुए ये भी कहा कि वे वापस जरूर आएंगे।

ब्रिटेन में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर फेंके पत्थर और अंडे

लंदन , एजेंसी। लंदन के पास एक होटल में रह रहे शरणार्थियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान ब्रिटेन की पुलिस पर पत्थर और अंडे फेंके जाने की खबर है। पुलिस ने कहा कि रविवार को यौन शोषण के शक में गिरफ्तारी के बाद 100 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेव अवर किड्स और सेंड देम होम जैसे नारे लगाए। विरोध उग्र होने पर पुलिस की गाड़ियों पर हमला हुआ। ऐसे प्रदर्शन पिछले सप्ताह भी हुए थे। पुलिस ने हिंसा से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी है।

पंजाब प्रांत में ईशनिंदा का केस, ईसाई गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ईसाई व्यक्ति को ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना पिछले हफ्ते लाहौर की निशात कॉलोनी में घटी। आरोपी का नाम आमिर मसीह है और उसे एक मुस्लिम, सनूर अली की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। जानकारी के मुताबिक एक दिन मसीह अली की किनारे की दुकान पर आया और आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान छोड़ने की बात करते हुए अचानक पैगंबर साहब के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी की। अली ने पुलिस को बताया कि मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा। पुलिस अधिकारी जुल्फकार अली ने कहा कि बाद में अली ने पुलिस से संपर्क किया और मसीह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-सी के तहत केस दर्ज किया गया।

पाकिस्तान के सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी को छह सीटें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सीनेट सीटों के लिए कराए गए चुनाव में 11 में से 6 सीटें जीती हैं। विपक्षी दलों को 5 सीटें मिलीं। चुनाव में 145 सदस्यों ने मतदान किया। सात सामान्य सीटों में से पीटीआई ने चार पर जीत दर्ज की, जबकि तीन विपक्ष के हिस्से गईं। तकनीकी सीटों में पीटीआई के आज़म स्वाती और जे यूआई के दिलावर खान ने जीत हासिल की। आधिकारिक नतीजे कुछ दिनों में चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाएंगे।

100 साल तक सत्ता में रहने की सनक ! फिर चुनाव लड़ेगा दुनिया का सबसे बूढ़ा राष्ट्रपति, विपक्ष बेचैन

याओंदे, एजेंसी। विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्राध्यक्ष कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया हैं जिनकी उम्र 92 वर्ष है। मजेदार बात ये है कि पॉल बिया ने अभी भी रिटायरमेंट का फैसला नहीं किया है। उन्होंने अक्टूबर 2025 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। इस कदम से उनकी 43 साल की सत्ता सात साल तक और बढ़ सकती है। यानी वह 100 वर्ष की आयु तक सत्ता में बने रह सकते हैं। बिया 1982 से सत्ता में हैं और उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा, मैं 12 अक्टूबर 2025 के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार हूं। निश्चिंत रहें कि आपकी सेवा करने का मेरा संकल्प हमारे सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के अनुरूप है। बिया ने अपने बयान में दावा किया कि उनकी उम्मीदवारी का फैसला कैमरून के सभी क्षेत्रों और प्रवासी समुदायों से अनेक और आग्रहपूर्ण अनुरोधों के बाद लिया गया है। हालांकि, उनकी लंबी सत्ता को लेकर देश के भीतर और बाहर से ताजा नेतृत्व की मांग तेज हो रही है। कई विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज समूहों ने बिया के शासन को आर्थिक और लोकतांत्रिक विकास में बाधक बताया है।

विपक्ष की चुनौती और जनता की क्या प्रतिक्रिया : बिया की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कई विपक्षी नेताओं ने भी चुनाव में उतरने की घोषणा की है। इनमें 2018 के उपविजेता मौरिस कामटो (कैमरून रेनेसां मूवमेंट), जोशुआ ओसिह (सोशल डेमोक्रेटिक फ्रंट), अकेरे मुना, और कैब्रल लिबी (कैमरून पार्टी फॉर नेशनल रिकॉन्सिलिएशन) शामिल हैं। ये सभी बिया के लंबे शासन की आलोचना करते हुए सुधारों और निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि बिया के शासन में भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में विफलता ने देश को संकट में डाल दिया है। कैमरून रेनेसां मूवमेंट के महासचिव क्रिस्टोफर एनकॉन्ग ने कहा, पापा, आपने अपना सर्वश्रेष्ठ कर दिया। क्या अब आप किसी अन्य कैमरूनवासी को सत्ता सौंपने के लिए नहीं जा सकते? राजधानी याओंदे की सड़कों पर लोगों ने बीबीसी को बताया कि वे राजनीति पर खुलकर टिप्पणी करने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें प्रतिशोध का डर है। एक व्यक्ति ने गुमनाम रहते हुए कहा, मैंने कभी नहीं देखा या सुना कि इतनी उम्र का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हो।

बिया का शासन: उपलब्धियां और विवाद : पॉल बिया 1982 में अपने पूर्ववर्ती अहमदौ अहिद्जो के इस्तीफे के बाद सत्ता में आए। उनके शासनकाल में कैमरून ने आर्थिक संकट का डटकर सामना किया और एकदलीय शासन से हटकर बहुदलीय व्यवस्था की ओर बढ़ा। हालांकि, उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार, धन के गबन, और कुप्रबंधन के आरोप लगातार लगते रहे हैं। 2008 में, बिया ने संविधान में संशोधन कर कार्यकाल की सीमा को समाप्त कर दिया, जिससे वह अनिश्चितकाल तक राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। 2018 के चुनाव में उन्होंने 71 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए, लेकिन विपक्ष ने व्यापक अनियमितताओं का आरोप लगाया। बिया की सेहत को लेकर भी अक्सर सवाल उठते रहे हैं। पिछले साल उनकी छह सप्ताह से अधिक की सार्वजनिक अनुपस्थिति ने उनकी सेहत और शासन करने की क्षमता पर अटकलों को जन्म दिया, जिसमें उनकी मृत्यु की अफवाहें भी शामिल थीं। कैमरून में जहां औसत आयु केवल 18 वर्ष है और औसत जीवन प्रत्याशा 63 वर्ष है, वहां युवाओं में बिया के शासन के प्रति निराशा बढ़ रही है। डौआला में एक 27 वर्षीय मोटरसाइकिल टैक्सी ड्राइवर आंद्रे औआंदजी ने कहा, हमने कई साल पहले सरकार पर भरोसा करना छोड़ दिया। देश में बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, और खराब सार्वजनिक सेवाएं आम शिकायतें हैं। 2023 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 80प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, और एक तिहाई आबादी प्रतिदिन 2 डॉलर या उससे कम पर जीवनयापन करती है। पश्चिमी कैमरून में अंग्रेजी भाषी अलगाववादियों द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा के बाद हिंसा की आशंका भी बढ़ रही है।

तेल टैंकरों में रहस्यमयी धमाकों के बाद पुतिन का फरमान, विदेशी जहाजों की एंट्री पर नई शर्त

मॉस्को, ब्लूमबर्ग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के सभी समुद्री बंदरगाहों पर विदेशों से आने वाले जहाजों की जांच और एंट्री के नियम और सख्त कर दिए हैं। अब किसी भी विदेशी जहाज को रूसी समुद्री बंदरगाह में प्रवेश के लिए पोर्ट कप्तान की अनुमति लेनी होगी, जो फेडरल सिक्योरिटी सर्विस यानी रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर दी जाएगी। पहले तक, यह मंजूरी केवल उन्हीं जहाजों के लिए जरूरी थी जो रूसी नौसैनिक बेस के आसपास के पोर्ट्स पर आते थे, लेकिन अब यह देश के सभी बंदरगाहों पर लागू होगी। हाल के महीनों में रूसी या रूसी बंदरगाहों पर गए तेल टैंकरों पर कई रहस्यमय ब्लास्ट हुए हैं। सबसे ताजा धमाका करीब एक महीने पहले लीबिया के पास एक ऐसे जहाज पर हुआ था, जो इसके पहले रूस के बाल्टिक बंदरगाह उस्त-लुगा और ब्लैक सी पोर्ट नोवोरोसिस्क पर भी रुका था। इन धमाकों के कारण सुरक्षा एजेंसियों ने संदेह जताया है कि किसी राज्य-प्रायोजित एजेंसी ने रूसी तेल टैंकरों को निशाना बनाया हो सकता है। सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, रूस की सुरक्षा परिषद ने भी बंदरगाहों की सुरक्षा के उपायों को बढ़ाने की सिफारिश की थी। बंदरगाहों पर पहुंचने वाले जहाजों के पतवार (हुल) की अंडरवॉटर जांच के लिए रूस के पोर्ट अथॉरिटी ने बड़ा टेंडर निकाला है, जिसमें 3.16 अरब रूबल (करीब 40.4 मिलियन) खर्च किए जाएंगे। अब जहाज मालिक गोताखोरों और अंडरवॉटर ड्रोन की मदद से ऐसे जहाजों की जांच करा रहे हैं, जिन्होंने कभी रूसी बंदरगाहों पर लंगर डाला हो–इनमें बारूदी सुरंग या विस्फोटक लगाने का डर सता रहा है।

प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी की चचेरी बहन की संदिग्ध मौत, शव के पास मिली बंदूक; खुदकुशी करने की आशंका

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमार हैरी की चचेरी बहन रोजी रोश की संदिग्ध हालात में अपने घर में मौत हो गई। उनके शव के पास बंदूक पड़ी मिली। हालांकि पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। अफसरों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत राजकुमारी डायना के चाचा की पोती रोजी रोश विल्टशॉयर में रहती थी। 20 वर्षीय रोजी अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए सामान पैक कर रहीं थीं। इस दौरान उनकी मां और बहन ने कमरे में उनका शव पड़ा देखा। शव को देखकर दोनों के होश उड़ गए। घटनास्थल से बंदूक बरामद की गई। कोरोनर ग्रांट डेविस ने कहा कि पुलिस ने रोजी की मौत को गैर संदिग्ध माना है। उन्होंने माना कि रोजी की मौत में किसी तीसरे का हाथ नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि रोजी ने खुदकुशी की होगी। एक लेख में उनको ह्यू और पिप्पा की प्यारी बेटी, आर्ची और अगाथा बहन, डेरेक और रे लॉन्ग की पोती बताया गया। रोजी डरहम विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन कर रही थी। वह दोस्तों के साथ छुट्टी पर जाने के लिए बेहद उत्साहित थीं। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी बहुत याद आएगी। परिवार ने उनके निधन को लेकर निजता बनाए रखने की अपील की है। उनको निधन के बाद निजी अंतिम संस्कार और निजी श्रद्धांजलि सभा होगी।

परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने की तैयारी में ईरान, तुर्किये में यूरोपीय देशों से करेगा बात

तेहरान, एजेंसी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इस्राइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी की है। ईरान अब तुर्किये में यूरोपीय देशों के साथ परमाणु वार्ता करने जा रहा है। इस्राइल के साथ युद्ध विराम के बाद यह पहला मौका है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई शुरुआत करने जा रहा है। हालांकि मई में भी इस्तांबुल में ऐसी ही बैठक हुई थी। पिछले महीने इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद माना जा रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम नष्ट हो गया है। इसके बाद ईरान ने एक बार फिर परमाणु कार्यक्रम को लेकर बात शुरू कर दी है। तुर्किये में होने वाली बैठक में ईरानी अधिकारी ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के अधिकारियों से बात करेंगे। इन तीनों राष्ट्रों को ई3 के रूप में जाना जाता है। बैठक में यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख काजा कालास भी शामिल होंगे।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि बातचीत का विषय साफ है। पहला प्रतिबंधों को हटाना और दूसरा ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे। यह बैठक उप-मंत्री स्तर पर होगी। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मार्टिन गिसे ने कहा कि वार्ता विशेषज्ञ स्तर पर हो रही है। ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करना चाहिए। इसलिए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ईरानी परमाणु कार्यक्रम के स्थायी और सत्यापन योग्य कूटनीतिक समाधान के लिए उच्च दबाव में काम करना जारी रख रहे हैं। यह कार्रवाई अमेरिका के साथ भी समन्वित है। गीसे ने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि यदि अगस्त के अंत तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो श्3 के लिए स्नैपबैक एक विकल्प बना रहेगा। ईरानी विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को लिखा पत्र ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि तीनों यूरोपीय देशों के पास इस तरह के तंत्र को लागू करने के लिए कानूनी, राजनीतिक और नैतिक आधार का अभाव है।

26 देशों ने कहा- युद्ध रोके इस्राइल, निंदा प्रस्ताव पारित; अमेरिका-जर्मनी ने नहीं किए हस्ताक्षर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन, फ्रांस और कई यूरोपीय देशों सहित 26 राष्ट्रों ने संयुक्त बयान जारी कर गाजा युद्ध को तुरंत समाप्त करने की मांग की है। दूसरी ओर, इस्राइली सेना ने सोमवार को पहली बार गाजा के मध्यवर्ती शहर दीर अल-बलाह में प्रवेश किया।

21 महीने के युद्ध में अब तक यह शहर बड़े युद्धक विनाश से बचा हुआ था। 26 देशों की ओर से संयुक्त बयान में गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें 800 से अधिक फलस्तीनियों की मौत को भयावह बताया गया। वे भोजन-पानी की तलाश में थे। उन्होंने अमेरिका समर्थित संगठन गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के माध्यम से भेजे जा रहे भोजन वितरण के दौरान इस्राइली सैनिकों की गोलीबारी में सैकड़ों फलस्तीनियों के मारे जाने की भी निंदा की गई। इस बयान पर यूरोप के 20 देशों के साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने भी हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका और जर्मनी इस सूची में शामिल नहीं है। गौरतलब है कि गाजा की 20 लाख से ज्यादा फलस्तीनी आबादी भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है। अब वे मुख्यतः उस क्षेत्र में आने वाली सीमित मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। यहां पर तमाम लोग कई बार विस्थापित हो चुके हैं। गाजा में जारी लड़ाई ने क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी संघर्षों को जन्म दिया है। इसमें इस्राइल और यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष भी शामिल है। दीर अल-बलाह में इस्राइली सेना के प्रवेश करने के कदम को गाजा को सैन्य गलियारों में बांटने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। बंधकों के परिवारों ने इस्राइल के इस पर चिंता जताई है। इस्राइल का मानना है कि इस क्षेत्र में हमास के कब्जे वाले बंधकों का रखा गया है। इस्राइल का दावा है कि ताजा सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य हमास पर बंधकों को छोड़ने का दबाव बनाना है। क्योंकि बंधकों का मुद्दा युद्धविराम वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। गाजा में 21 महीने से ज्यादा समय से जारी लड़ाई में जान गंवाने वाले फलस्तीनियों की संख्या 59 हजार से अधिक हो गई है।

ब्रिटेन की पूर्व सांसद का पति पर आरोप- 10 साल तक शोषण किया?

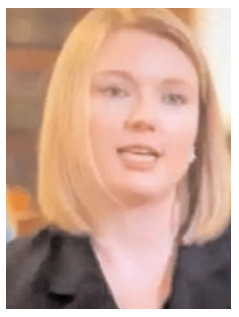

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की पूर्व सांसद केट निवेटन ने अपने पति और पूर्व सांसद एंड्रयू ग्रिफिथ्स पर यौन शोषण और शादीशुदा जिंदगी में घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए हैं। ब्रिटेन के टीवी चैनल आईटीवी1 की एक डॉक्यूमेंट्री में केट ने बताया कि ग्रिफिथ्स ने उनके साथ कई बार तब रेप किया, जब वह सो रही थीं। केट ने बताया वह तब मेरे साथ जबरन संबंध बनाता जब मैं नींद में होती थी। कई बार मैं बस सह लेती थी, लेकिन कई बार रो देती थी। तब वह गुस्से में मुझे बिस्तर से लात मारकर बाहर फेंक देता था। मैं रोती थी, डरती थी, लेकिन वह कहता था- कोई तुम्हारी बात पर भरोसा नहीं करेगा, मैं सांसद हूं, पुलिस भी मेरे साथ है। मैं खुद को एक कमरे में बंद कर लेती या घर छोड़कर चली जाती थी। ग्रिफिथ्स और केट की शादी 2013 में हुई थी। हालांकि 5 साल बाद ही 2018 में दोनों अलग हो गए। एक घटना याद करते हुए केट ने बताया कि उनकी बेटी सिर्फ दो हफ्ते की थी। एक सुबह जब वह दूध के लिए रो रही थी और ग्रिफिथ्स संसद जाने की तैयारी कर रहा था। तब उसने बच्ची पर चिल्लाते हुए कहा- चुप हो जा हरामखोर.... केट आगे कहती है - लोग सोचते हैं कि मिडिल क्लास प्रोफेशनल लोगों के साथ ऐसा नहीं होता। लोगों को लगता है कि घरेलू हिंसा सिर्फ गरीब तबके में होती है, लेकिन सच ये है कि यह किसी के भी साथ हो सकती है। ब्रिटेन के एक फैमिली कोर्ट ने 2021 में माना कि ग्रिफिथ्स ने केट के साथ रेप किया और बार-बार शारीरिक हिंसा की। कोर्ट ने यह भी माना कि उसने मानसिक रूप से भी उन्हें प्रताड़ित किया। केट ने कहा कि वो 5 साल की यातना झेलने के बाद भी 5 साल तक कानूनी सिस्टम से लड़ती रहीं। केट के मुताबिक अलग होने के बाद भी ग्रिफिथ्स उन्हें 5 साल तक लीगल सिस्टम के जरिए परेशान करते रहे। केट की यह पूरी कहानी चैनल आईटीवी1 और उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म आईटीवीएक्स पर ब्रेकिंग द साइलेंसः केट्स स्टोरी नाम की डॉक्यूमेंट्री में दिखाई जा रही है। इसमें केट की निजी कहानी के अलावा यह भी दिखाया गया है कि कैसे ब्रिटेन के फैमिली कोर्ट्स हर साल 30 हजार से ज्यादा घरेलू हिंसा के मामलों में कमजोर फैसले लेते हैं।

निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा, ईसाई प्रचारक केए पॉल का दावा; पीएम मोदी को कहा धन्यवाद

सना, एजेंसी। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा। ईसाई धर्म के प्रचारक केए पॉल ने ये दावा किया है। साथ ही केए पॉल ने पीएम मोदी को धन्यवाद भी कहा है। ईसाई धर्म के प्रचारक और ग्लोबल पीस इनीशिएटिव के संस्थापक डॉ. केए पॉल ने मंगलवार रात को एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन की राजधानी सना की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. केए पॉल ने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को धन्यवाद दिया और उनकी कोशिशों की सराहना की।

डॉ. केए पॉल ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद : डॉ. केए पॉल ने कहा कि यमन के नेताओं ने बीते 10 दिनों तक दिन रात काम किया। डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने निमिषा प्रिया की मौत की सजा को रद्द कराने में मदद की। भगवान के आशीर्वाद से निमिषा प्रिया को जल्द ही रिहा किया जाएगा और फिर वह भारत लौटेगी। मैं प्रधानमंत्री मोदी को भी धन्यवाद करता हूं, जो निमिषा प्रिया को ले जाने के लिए राजनयिक भेज रहे हैं। बीते हफ्ते भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अपने एक बयान में बताया था कि सरकार निमिषा प्रिया को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है। सरकार ने निमिषा प्रिया के परिवार की मदद के लिए एक वकील भी नियुक्त किया है, जो यमन के कानून के मुताबिक उनकी मदद कर रहा है। साथ ही शरिया कानून के तहत निमिषा को माफी मिलने के कोशिशों की भी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के बयान से पहले केरल के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबुबकर अहमद कांतापुरम ने बताया कि उन्होंने यमन के मुस्लिम धर्मगुरुओं से बात की है और उनसे निमिषा प्रिया की रिहाई की अपील की। शेख अबुबकर ने दावा किया कि उनके बात करने के बाद ही निमिषा को 16 जुलाई को दी जाने वाली फांसी की सजा टाल दी गई थी।

निमिषा को यमन में क्यों मिली मौत की सजा : केरल के पलक्कड़ की निवासी निमिषा प्रिया साल 2008 में एक नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। वहां कई अस्पतालों में काम करने के बाद निमिषा प्रिया साल 2011 में केरल वापस आई और यहां टॉमी थॉमस से उनकी शादी हुई। दोनों की एक बेटी है, जो इस समय केरल में रहती है। साल 2015 में निमिषा ने यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी। साल 2017 में महदी का शव एक वॉटर टैंक में पाया गया और हत्या का आरोप निमिषा पर लगा। आरोप है कि निमिषा ने नींद की दवा की अधिक डोज देकर महदी की हत्या की और उनके शव को छिपाने की कोशिश की। इसके एक महीने बाद निमिषा को यमन-सऊदी अरब की सीमा से गिरफ्तार किया गया। निमिषा के वकील ने दलील दी कि महदी ने निमिषा का शारीरिक उत्पीड़न किया और उसका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया था और निमिषा को धमकाया था। हालांकि तलाल अब्दो महदी के भाई ने इन आरोपों से इनकार किया। साल 2020 में, सना की एक अदालत ने निमिषा को मौत की सजा सुनाई। साल 2023 में यमन के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस सजा को बरक़रार रखा। निमिषा प्रिया फ़िलहाल सना जेल में बंद है। निमिषा प्रिया के लिए कथित मसीहा बने सैमुअल जेरोम पर तलाल के परिवार ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। तलाल अब्दो महदी के भाई अब्दुल फतह ने कहा है कि सैमुअल जेरोम ने उनके परिवार से कभी मुलाकात ही नहीं की। उन्होंने कहा कि जेरोम निमिषा प्रिया के नाम पर अवैध रूप से फंड इकट्ठा कर रहे हैं। उन्होंने जेरोम पर 40 हजार डॉलर के गबन का आरोप लगाया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में 26 करोड़ की सोने की तस्करी करते दंपति पकड़े गए CISF ने की गिरफ्तारी, DRI और अन्य एजेंसियाँ रह गईं पीछे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत से सोने की सबसे बड़ी तस्करी का मामला सामने आया है। सूरत एयरपोर्ट पर 25 करोड़ 57 लाख रुपयेमूल्य का सोना जब्त किया गया है। इस मामले में तस्करी कर रहे दंपति — विरल और डॉली को गिरफ्तार किया गया है। ये दंपति पैंट, अंडरगारमेंट्स, हैंडबैग और फुटवियर में सोना छुपाकर ला रहे थे। हालांकि, दोनों की हरकतें संदिग्ध लगने पर CISF ने जांच की, जिसके बाद पूरी साजिश का पर्दाफाश हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार, 20 जुलाई को सामने आई। एयर इंडिया की दुबई से आई फ्लाइट से एक दंपति 24.827 किलोग्राम सोना विभिन्न वस्तुओं में छुपाकर भारत ला रहे थे। उन्होंने सोना अंडरगारमेंट्स, पैंट, हैंडबैग और फुटवियर जैसी चीज़ों में छुपाया था। लेकिन उनकी चाल-ढाल से संदेह होने पर CISF ने पूछताछ की और तलाशी ली, जिसमें उनके पास से कुल 25 किलो से अधिक सोना बरामद हुआ।

हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी के बावजूद DRI (राजस्व खुफिया निदेशालय), ED (प्रवर्तन निदेशालय) और कस्टम विभाग को इस बारे में कोई भनक तक नहीं लगी। ये तीनों एजेंसियाँ सूरत में ही स्थित हैं, फिर भी दुबई से इतने बड़े पैमाने पर सोना लाया गया, और एजेंसियाँ जानकारी से अंजान रहीं, जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

इस केस में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला नेटवर्क से जुड़ा एंगल होने की भी आशंका जताई जा रही है। फिलहाल CISF ने अपनी जांच पूरी कर कस्टम विभाग, ED और अन्य संबंधित एजेंसियों को मामला सौंप दिया है। अब आगे की जांच इन एजेंसियों द्वारा की जाएगी।

CISF (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) भारत के सभी प्रमुख नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा संभालती है। यह एजेंसी यात्रियों और हवाई अड्डे की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, और हाई-सिक्योरिटी जोन में कार्यरत रहती है। इस केस में भी CISF की मुस्तैदी से ही यह बड़ी तस्करी पकड़ में आई है।

यह घटना न सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि तस्कर अब बेहद जटिल और चालाक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं,जिन्हें रोकने के लिए सभी एजेंसियों को और अधिक समन्वय और सक्रियता की जरूरत है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में सूरत को 12500 में से 12151 अंक मिले, देश में अव्वल रहने की आधिकारिक घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 की लीग स्पर्धा को लेकर पहले केवल रैंक की घोषणा नहीं की गई थी, जिससे भ्रम की स्थिति बनी थी। लेकिन अब केंद्र सरकार ने स्वच्छता लीग के अंक सार्वजनिक कर दिए हैं, जिसमें सूरत को देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है।

इस सर्वेक्षण में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सुपर स्वच्छ लीग के अंतर्गत चार प्रमुख शहरों में सूरत को 12500 में से 12151 अंक मिले हैं। दूसरे स्थान पर इंदौर को 12147, तीसरे पर नवी मुंबई को 12074, चौथे पर विजयवाड़ा को 11692 और पाँचवे स्थान पर अहमदाबाद को 12079 अंक मिले हैं।

इससे पहले जब पुरस्कार समारोह हुआ था, तब सूरत को दूसरा स्थान बताया जा रहा था, लेकिन यह केवल एक भ्रम था। स्वच्छता लीग में किसी शहर को प्रथम या द्वितीय स्थान नहीं दिया जाता, बल्कि विभिन्न श्रेणियों के आधार पर अंक दिए जाते हैं। अब जब केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग ने सभी शहरों को प्राप्त अंकों की आधिकारिक घोषणा कर दी है, तब यह स्पष्ट हो गया है कि सूरत देशभर में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त करने वाला शहर है।

स्वच्छता सर्वेक्षण की गाइडलाइन के अनुसार जिन मुख्य श्रेणियों में सूरत ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वे हैं:

* **जीएफसी सर्टिफिकेशन**
* **वॉटर प्लस सर्टिफिकेशन**
* **उपयोग किए गए पानी का प्रबंधन**
* **स्वच्छता अभियान**
* **ईकोसिस्टम की मजबूती**
* **संस्थागत मापदंड**

वहीं, निम्न श्रेणियों में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए:

* सीधी दृष्टि से दिखने वाली सफाई की स्थिति (क्लीनलिनेस)
* ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट)
* सैनिटेशन सुविधाएं
* सफाई से जुड़े कर्मचारियों का कल्याण

सूरत की म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने कहा कि सुपर स्वच्छ लीग में किसी तरह की रैंकिंग नहीं होती, लेकिन सूरत को कुल 12500 अंकों में से सबसे अधिक 12151 अंक मिले हैं। यह सूरत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह दर्शाता है कि शहर ने स्वच्छता के हर पहलू पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

लाल, पीले और भूरे प्रदूषित पानी से लोग परेशान

सूरत के उधना के अमृतनगर में 4 महीने से लोग पीने को मजबूर गंदा पानी,कई शिकायतों के बावजूद नहीं मिला समाधान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके के अमृतनगर में पिछले 4 महीनों से लोग लाल, पीले और भूरे रंग का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार नगर निगम और संबंधित विभागों में शिकायतें की, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पीने के पानी में कीचड़, बदबू और रंग की वजह से न तो पीना संभव है और न ही दैनिक उपयोग में लाना, लेकिन कोई विकल्प नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में यही गंदा पानी इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

इससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, और लोग त्वचा संबंधी व पेट की बीमारियों से भी जूझ रहे हैं। नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि तुरंत पाइपलाइन और जल आपूर्ति की जांच कर, शुद्ध और स्वच्छ पानी की व्यवस्था की जाए।

यह मामला प्रशासन की लापरवाही और आम जनता की बुनियादी सुविधाओं को लेकर उदासीनता को दर्शाता है।

सूरत के उधना क्षेत्र के अमृतनगर में पिछले चार महीनों से लगातार दूषित पानी आने से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। लाल, पीले और भूरे रंग का यह पानी इतनी बदबूदार और गंदगी से भरा होता है कि लोग न तो इसे पी सकते हैं और न ही घर में रख सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन कोई कदम नहीं उठा रहा, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

''हमारी उम्र अब काफी हो चुकी है। घर में जो पानी आता है वह बेहद गंदा और रंगीन होता है। न हम उसे पी सकते हैं और न घर में रख सकते हैं, क्योंकि उसमें बहुत बदबू आती है। इस पानी से नहाने पर हमें स्किन एलर्जी तक हो जाती है। अब हालात यह हैं कि हमें पीने और नहाने के लिए आसपास की सोसायटियों से पानी मंगाना पड़ता है। लेकिन हमारी उम्र इतनी हो चुकी है कि हम डिब्बा या डोल लेकर खुद पानी भरने भी नहीं जा सकते। आसपास के लोग हमारी मदद कर देते हैं, लेकिन यह कब तक चलेगा?'' उन्होंने यह भी बताया कि नगर निगम के अधिकारियों को बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं निकाला गया है।

यह स्थिति स्पष्ट रूप से बताती है कि आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को लेकर प्रशासन कितना उदासीन रवैया अपना रहा है। चार महीने से दूषित पानी की समस्या झेल रहे नागरिक बीमारियों के खतरे और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि तुरंत पाइपलाइन की जांच कर, शुद्ध और स्वच्छ जल की नियमित आपूर्ति शुरू की जाए। नई पाइपलाइन डालने के बाद बढ़ी परेशानी अमृतनगर की निवासी सोनूबेन का आरोप - घर में पानी जमा नहीं कर सकते, भयानक बदबू आती है हम घर में पानी का संग्रह भी नहीं कर सकते क्योंकि उसमें बहुत तेज बदबू आती है। जब ऐसा पानी हम घर में नहीं रख सकते, तो भला पी कैसे सकते हैं या उसका उपयोग कैसे कर सकते हैं? अमृतनगर में जब से नई पानी की पाइपलाइन डाली गई है,तब से यह गंदे पानी की समस्या शुरू हो गई है।

सोनूबेन ने यह भी आशंका जताई कि हो सकता है कि आसपास की इंडस्ट्रीज से निकलने वाला केमिकलयुक्त पानी ही पाइपलाइन में मिलकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा हो।

आश्चर्य की बात यह है कि हमारे आसपास जो इंडस्ट्रियल यूनिट्स चल रही हैं, वहीं से यह केमिकल मिला हुआ पानी आ सकता है। इसके अलावा और कोई संभावना नहीं है। लेकिन फिर भी अधिकारियों द्वारा इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

नई लाइन के बाद शुरू हुई इस समस्या ने यह दिखा दिया है कि काम की गुणवत्ता या निगरानी में गंभीर चूक हुई है। दूषित और बदबूदार पानी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि

पाइपलाइन की तत्काल जांच कराई जाए

केमिकल या इंडस्ट्रियल वेस्ट की मिलावट की जांच हो

और लोगों को तुरंत स्वच्छ पानी की आपूर्ति दी जाए

यह मामला अब सिर्फ पानी की समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और मानवाधिकार से जुड़ा बन गया है।

तत्काल प्रभाव से टीम भेजकर जांच के आदेश दिए गए

उधना ज़ोन के कार्यपालक अभियंता भैरव देसाई ने अमृतनगर क्षेत्र में दूषित पानी की समस्या को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा

अब तक हमारे पास इस तरह की कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। लेकिन अब जब अमृतनगर की समस्या सामने आई है, तो हमने तत्काल प्रभाव से हमारी टीम को मौके पर भेज दिया है।

भैरव देसाई के इस बयान के बाद स्थानीय लोगों को उम्मीद जगी है कि अब शायद प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर कोई ठोस कार्रवाई करेगा और दूषित पानी से राहत दिलाएगा। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद कार्रवाई कितनी तेज और असरदार होती है।

अलग-अलग रंग का पानी आ रहा है घरों में अमृतनगर में नई पेयजल लाइन डालने के बाद से केमिकलयुक्त पानी की समस्या बढ़ी गौरतलब है कि सूरत के उधना क्षेत्र के अमृतनगर में जब से नई पेयजल पाइपलाइन डाली गई है, तब से ही वहां केमिकल मिला हुआ और रंग बदलता पानी आने की समस्या गहराती जा रही है।

स्थानीय लोगों ने पहले ही दी थी शिकायत

पादरा में पानी से भरे रास्ते पर गिरे खुले बिजली के तार से बच्चे की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा जिले के पादरा नगर में बिजली कंपनी और नगर पालिका की घोर लापरवाही के कारण एक मासूम बच्चे की जान चली गई। ट्यूशन से घर लौट रहा 11 वर्षीय छात्र नक्ष जैमिनभाई सोनी की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। करंट रास्ते पर गिरे खुले बिजली के तार से लगा, जो बारिश के पानी में डूबा हुआ था। इस घटना से स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया है, क्योंकि लोगों ने 3-4 दिन पहले ही खतरे को लेकर शिकायत की थी, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पादरा की कृष्णा रेसिडेंसी में रहने वाला नक्ष जैमिनभाई सोनी (उम्र 11 वर्ष) ज़ेन स्कूल में कक्षा 5 का छात्र था। बुधवार (23 जुलाई) शाम वह ट्यूशन खत्म करके साइकिल से घर लौट रहा था। जैसे ही वह गु.ह.बोर्ड के पास वार्ड नं. 3 के रास्ते से गुजरा, वहां सड़क पर बारिश और गटर का पानी भरा हुआ था। उसी पानी में एक टूटा हुआ बिजली का तार गिरा हुआ था, जिससे करंट प्रवाहित हो रहा था। नक्ष को इसकी जानकारी नहीं थी, और जैसे ही वह साइकिल समेत पानी में उतरा, उसे करंट लग गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

इस घटना के बाद पादरा में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस जर्जर बिजली तार और जलभराव की स्थिति को लेकर 3-4 दिन पहले ही GEB (बिजली कंपनी) को लिखित में शिकायत की गई थी। लेकिन न तो बिजली कंपनी ने और न ही नगर पालिका ने इस पर कोई गंभीरता दिखाई या समाधान के लिए कदम उठाया। इससे पहले भी इलाके में इस तरह के खतरे की कई बार शिकायत की गई थी, मगर उन्हें लगातार अनदेखा किया गया।

नगर पालिका और बिजली विभाग दोनों की लापरवाही के चलते एक निर्दोष बच्चे की जान गई है। स्थानीय नागरिकों ने इस घटना की तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

यह हादसा शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की घोर उपेक्षा को उजागर करता है।

सरकारी सहायता से मिली नई उड़ान

सूरत ज़िले के महुवा तालुका के देदवासन गांव के शिक्षक दंपती के बेटे मिलन पटेल बने पायलट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य सरकार आधुनिक युग के युवाओं को वैश्विक स्तर पर सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। खासकर आदिवासी क्षेत्रों के मेधावी छात्रों के लिए कई सहायता योजनाएं लागू की गई हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें, समाज के लिए आदर्श बनें और देश के विकास में योगदान दे सकें। ऐसी ही एक प्रेरणादायक यात्रा है सूरत ज़िले के महुवा तालुका के देदवासन गांव के शिक्षक दंपती के पुत्र मिलन पटेल की, जिन्होंने कमर्शियल पायलट बनकर अन्य युवाओं को भी आकाश छूने की प्रेरणा दी है।

मिलन अजीतभाई पटेल को इंडिगो एयरलाइंस में पायलट के रूप में चयन मिला है और वे जल्द ही ड्यूटी ज्वॉइन करेंगे। अपने संघर्ष और सपने की उड़ान के बारे में बताते हुए मिलन ने कहा कि एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पायलट बनने का दृढ़ निश्चय किया। इस दौरान एयर इंडिया में एक महीने की इंटर्नशिप करने का मौका मिला, जहाँ विभिन्न विमानों और खासकर कॉकपिट को नजदीक से देखने का रोमांच मिला। तभी तय कर लिया था कि अब पायलट ही बनना है। अपने माता-पिता से सपना साझा किया, जिन्होंने हर संभव सहयोग और सहमति दी।

मिलन ने बताया कि उन्हें गुजरात सरकार के आदिजाति विकास निगम की ओर से मिलने वाली 25 लाख की कमर्शियल पायलट लोन सहायता योजना की जानकारी मिली। उन्होंने मांडवी तालुका के परियोजना कार्यालय में सभी दस्तावेजों के साथ आवेदन किया और कुछ ही समय में लोन स्वीकृत हो गया। आर्थिक सहायता मिलने पर वे संयुक्त राज्य अमेरिका गए और वहां से कमर्शियल पायलट का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद भारत लौटकर उन्होंने अपना लाइसेंस भारतीय मानकों के अनुसार कन्वर्ट कराया।

इसके बाद जलगांव स्थित स्कायनेक्स एयरो से मल्टी इंजन ट्रेनिंग ली और भारतीय विमानों की उड़ान की ट्रेनिंग के लिए कोलंबिया भी गए। सारी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद, मिलन ने इंडिगो एयरलाइंस के सभी राउंड्स सफलतापूर्वक पास कर नौकरी हासिल की।

मिलन कहते हैं, ''बचपन में लगता था कि पायलट बनना बहुत मुश्किल और महंगा है। लेकिन गुजरात सरकार की आदिजाति योजना के तहत जब लिए लोन मिला, तो लगा कि अगर इच्छा प्रबल हो तो रास्ते अपने आप बन जाते हैं और कोई सकारात्मक शक्ति आपका मार्ग प्रशस्त करती है।''

उन्होंने आगे कहा कि गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करना अक्सर कठिन लगता है, लेकिन सरकार की शिक्षा योजनाओं ने अब अंतिम पंक्ति के गांवों के विद्यार्थियों के सपनों को भी पंख दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि जैसे मुझे सफलता मिली, वैसे ही हर युवा को मिल सकती है यदि वे सही दिशा में सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

उन्होंने इस सफलता का श्रेय गुजरात सरकार की शैक्षणिक योजनाओं को देते हुए कहा कि यह योजनाएं छात्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

राज्य के अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों को कमर्शियल पायलट प्रशिक्षण के लिए 25 लाख तक का लोन 4त्न वार्षिक ब्याज दर पर दिया जाता है। यह राशि प्रशिक्षण पूर्ण होने के छह महीने बाद से 60 किश्तों में चुकानी होती है।